अनमोल विचार

मानवता के दिशा में उठाया गया प्रत्येक कदम आपकी स्वयं की चिंताओं को कम करने में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वामी श्री सुदर्शनाचार्य जी

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com शहडोल, शुक्रवार, 22 नवंबर 2024 वर्ष- 07 अंक- 325 पेज-08 मूल्य- ₹ 5.00/-

इंदौरः दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को सीएम मोहन का मंत्र

'यही समय है, सही समय है'

विजय मत, ब्यूरो इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज किताबी ज्ञान भले ही पूरा हुआ हो परंतु दीक्षांत के बाद स्वाध्याय, मनन और चिंतन सतत् जारी रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मंत्र दिया कि यही समय है-सही समय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में सिबायोसिस स्किल यूनिवर्सिटी के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में भारत में बहुत से उल्लेखनीय काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। हमारी नई पीढ़ी तकनीकी रूप से दक्ष बने और देश के विकास और समग्र मानव समाज के कल्याण में अपना योगदान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इज़राइल का उदाहरण देते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान के बल पर ही इज़राइल ने अनेक चुनौतियों से पार पाया है। हमें भी अपनी क्षमता और तकनीकी दक्षता को शिखर तक ले जाना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नैतिकता सदा ही सर्वोपरि है। शिक्षा के साथ संस्कारों की दीक्षा भी ज़रूरी है। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शिखर हैं किन्तु सिम्बायोसिस समूह जिन्होंने तकनीकी दक्षता और तकनीकी क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित किया है, यह और भी महत्वपूर्ण योगदान हो जाता है। उन्होंने प्रो. चांसलर डॉ. स्वाति मजूमदार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका को छोड़कर भारत में शिक्षा को अपना जीवन समर्पित किया है। प्रारंभ में सिम्बायोसिस तकनीकी विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर डॉ. मजूमदार ने स्वागत भाषण दिया और कुलगुरु डॉ. विनीत नायर ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। दीक्षांत समारोह में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, डॉ. भारत शरण सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

उज्जैन में आपदामुक्त सिंहस्थ-2028 के प्रशिक्षण का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को उज्जैन में पुलिस लाइन सरोवर पर सिंहस्थ- 2028 को आपदामुक्त संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 18 हजार पुलिस, एसडीआरएफ, होमगार्ड जवान एवं सिविल वॉलिंटियर्स को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान डीप डाइवर्स, तैराकों, बोट हैंडलर्स के कार्यों का अवलोकन किया तथा ब्रीदिंग अप्रैटस, स्नेक कैचर एवं आपदा प्रबंधन के कार्य में आने वाले अन्य उपकरणों का निरीक्षण भी किया। उपकरणों की जानकारी डिविजनल कमांडेंट होमगार्ड रोहतीश पाठक एवं जिला कमांडेंट होमगार्ड संतोष कुमार जाट द्वारा दी गई। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया,विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, जितेंद्र सिंह पंड्या, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, जनप्रतिनिधि संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी, संभागायुक्त संजय गुप्ता, एडीजीपी उमेश जोगा, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

संविधान निर्माता अम्बेडकर की नवीन प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को मेडिसिटी चिकित्सा महाविद्यालय भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद टॉवर चौक पर भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की नवीन प्रतिमा का अनावरण कर माल्यार्पण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन नगरी की कई विशेषताएँ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत देश के निर्माण में हमारे सभी महापुरूषों का अमूल्य योगदान है। बाबा साहेब 20वीं सदी के ऐसे महानायक हैं जिन्होंने समाज में समता के लिए, सहअस्तित्व के लिए, समान भाव लाने के लिए इस देश के अंदर जो विसंगतियाँ थीं, जो बुराईयाँ थीं, कुरीतियाँ थीं, उनके विरूद्ध आवाज उठाई और संघर्ष किया।

नए डीजीपी के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने तीन नामों का पैनल बनाया, अंतिम फैसला मुख्यमंत्री करेंगे

डीजीपी की रेस में अजय शर्मा आगे

विजय मत,भोपाल

संघ लोक सेवा आयोग ने गुरुवार देर शाम मध्य प्रदेश के अगले पुलिस महानिदेशक पद के लिए तीन आला आईपीएस अफसरों के नाम का पैनल तैयार करते हुए उस पर मोहर लगा दी है । सूत्रों की माने तो जो तीन नाम पैनल में तय किए गए हैं, उनमें पहला नाम वर्तमान ईओडब्ल्यू डीजी अजय शर्मा दूसरा- डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार तथा तीसरे नंबर पर मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के चेयरमैन एवं स्पेशल डीजी कैलाश मकवाना का है । संघ लोक सेवा आयोग ने अपना काम कर दिया है। अब अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को लेना है कि वह राज्य की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए राज्य पुलिस की कमान किस वरिष्ठ आईपीएस के हाथ में सौपने का निर्णय लेंगे।

खास खबर
विजय मत

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 9 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के नाम यूपीएससी को भेजा था। गत दिवस 21 नवंबर को यूपीएससी की बैठक हुई, जिसमें यूपीएससी के दिनेश दास,मप्र के मुख्य सचिव अनुराग जैन,वर्तमान डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना के साथ-साथ गृह मंत्रालय के दो अफसर शामिल थे। सुधीर कुमार सक्सेना 30 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं और 1 दिसंबर को राज्य के नए डीजीपी को पदभार संभालना होगा। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के कारण ऐसा है, जिसके अनुसार किसी राज्य में कार्यवाहक डीजीपी नहीं बनाये जा सकते हैं। नए डीजीपी की दौड़ में सबसे आगे वरिष्ठ आईपीएस अजय शर्मा का नाम है। 2025 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मद्देनजर मुख्यमंत्री 24 से 30 नंबर को यूके और जर्मनी यात्रा पर निवेशकों से चर्चा करने जा रहे हैं ।

संभव है उससे पूर्व राज्य शासन नए डीजीपी के नाम का आदेश जारी कर दे। अजय शर्मा के पास अलग-अलग मोर्चे पर काम करने का एक लंबा अनुभव है । वह फील्ड में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रशासनिक मामलों की गहरी समझ है। पूर्व में लोकायुक्त में एडीजी रहे हैं । कई जिलों में पुलिस अधीक्षक रहते हुए अच्छा काम किया है।

विशेष बात यह है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से उनकी पटरी बैठ सकती है। उनका सर्विस रिकॉर्ड भी निर्विवाद रहा है,जिसे देखते हुए उनकी संभावना बढ़ गई है। मध्य प्रदेश की मौजूदा कानून व्यवस्था को लेकर पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री अपनी चिन्ता प्रकट करते आये हैं। उनकी मंशा एक दमदार पुलिस कप्तान की है। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री एक ऐसे अफसर को डीजीपी बनाना चाहेंगे जिनका संतुलन, समन्वय तथा कार्य शैली उम्दा हो । साथ ही जिनका पुराना रिकॉर्ड दमदार चमकदार रहा हो। वरिष्ठ आईपीएस कैलाश मकवाना की छवि तेज तर्रार अफसर में गिनी जाती है। वह अभिभाजित मध्य प्रदेश के दंतेवाड़ा, बस्तर के अलावा मध्य प्रदेश के मंदसौर बैतूल जिलों में एसपी रह चुके हैं। कई साल पहले लोकायुक्त डीजी रहते भ्रष्टाचारियों की पुरानी फाइल खोलने से उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

राजनीतिक दबाव के चलते मकवाना को करीब 6 माह कार्य करने का मौका मिल पाया था। इसी प्रकार वरिष्ठ आईपीएस अरविंद कुमार की छवि भी अच्छी रही है। वह भी कई जिलों में एसपी, आईजी डीआईजी आदि पदों पर कार्य कर चुके हैं। यानी अनुभव की कमी उनके पास भी नहीं है। मूल रूप से डीजीपी के चयन में सबसे बड़ा गुण यह देखना है की मुख्यमंत्री की मंशा को पूरा कौन कर सकता है । इस दृष्टिकोण से अजय शर्मा और मकवाना का पलड़ा भारी है। फिलहाल, अजय शर्मा के अंक ज्यादा होते दिखाई दे रहे हैं।अजय शर्मा 1989 बैच से हैं जो अगस्त 2026 तक रिटायर होंगे। मकवाना अगले वर्ष 2025 जबकि 1988 बैच के अरविंद कुमार मई 2025 में रिटायर होंगे।

मप्र हाईकोर्ट की अनुमतिः जल्द जारी होंगे नर्सिंग स्टूडेंट्स के रिजल्ट जारी

सीबीआई जांच में जिन कॉलेजों में कमी मिली, उनकी लिस्ट होगी सार्वजनिक

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

हाईकोर्ट से हजारों नर्सिंग छात्रों को राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी तथा जस्टिस एके पालीवाल की युगलपीठ ने मेडिकल यूनिवर्सिटी को नर्सिंग कॉलेजों का रिजल्ट घोषित करने के निर्देश दिए हैं। युगलपीठ ने सत्र 2024-25 के लिए नर्सिंग तथा पैरामेडिकल कॉलेज की संबद्धता प्रक्रिया को मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी को संपादित करने के निर्देश भी जारी किए हैं। युगलपीठ ने अयोग्य कॉलेज में पाई गई अनियमितताओं को नर्सिंग काउंसिल की बेवसाइट पर सार्वजनिक करने के आदेश जारी किए हैं। याचिका पर अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

हाईकोर्ट के निर्देश पर मध्य प्रदेश के लगभग 700 नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई ने जांच की थी। सीबीआई ने अपनी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में हाईकोर्ट के समक्ष पेश की थी। युगलपीठ ने जांच में अपात्र पाए गए कॉलेजों की सूची तथा उनमें पाई गई खामियों को नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने के आदेश जारी किये हैं। गौरतलब है कि लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता विशाल बघेल की तरफ से दायर याचिका में प्रदेश में संचालित नर्सिंग कॉलेजों को चुनौती दी गई थी।

डीएमई और रजिस्ट्रार के निर्णयों पर हाईकोर्ट ने व्यक्त की नाराजगी

हाईकोर्ट ने अभ्यावेदन संबंधी मामले की सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से नर्सिंग काउंसिल के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन के निर्णयों पर हैरानी जताई है। याचिकाकर्ता की तरफ से अनियमितता में लिप्त इंस्पेक्टर को रजिस्ट्रार बनाए जाने को चुनौती देते हुए आवेदन दायर किया गया था। युगलपीठ ने महाधिवक्ता को दोषी रजिस्ट्रार पर एक्शन लेने के मौखिक रूप से निर्देश देते हुए हिदायत दी है कि याचिका लंबित रहते यदि अधिकारियों द्वारा कोई लापरवाही बरती गई तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

के. संजय मूर्ति बने नए CAG, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति को बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई। के. संजय मूर्ति को सोमवार को केंद्र सरकार ने नया सीएजी नियुक्त किया था। गिरीश चंद्र मुर्मू ने बुधवार को सीएजी के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में के. संजय मूर्ति ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में शपथ ली। उन्होंने राष्ट्रपति के समक्ष पद की शपथ ली।

हिंदू राष्ट्र के नारे के साथ धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा शुरू

अब जात-पात खत्म करेंः शास्त्री

विजय मत, ब्यूरो छतरपुर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा हिंदू राष्ट्र के नारे के साथ शुरू हो गई है। यात्रा की शुरुआत बागेश्वर धाम से गुरुवार सुबह 11.15 बजे हुई। धीरेंद्र शास्त्री ने पदयात्रा में शामिल हुए लोगों को अभिवादन किया।इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज, भगवा ध्वज फहराने के साथ ही राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। ये पदयात्रा पहले दिन ग्राम गढ़ा तिराहा से होते हुए लगभग 20 किमी दूर ग्राम कदारी तक पहुंचेगी। इस दौरान बुंदेली कलाकार लोक कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। 9 दिनों में यात्रा बागेश्वर धाम से रामराजा मंदिर ओरछा तक करीब 160 किमी का सफर तय करेगी। यात्रा में कुल 8 पड़ाव होंगे। यात्रा में देश के कई संतों के साथ ही कला क्षेत्र से जुड़ी हस्तियां भी शामिल हैं। हिंदू एकता पदयात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी शामिल हुए। उनके साथ मंत्री दिलीप अहिरवार, राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, छतरपुर विधायक ललिता यादव, पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी भी मौजूद हैं।

आईसीसी ने इजरायली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया अरेस्ट वारंट

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने कथित युद्ध अपराधों के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और हमास के एक सैन्य कमांडर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इजरायली प्रधान मंत्री कार्यालय ने आरोपों को खारिज कर दिया, वारंट को यहूदी विरोधी कहा और कार्रवाई को बेतुका और झूठा बताया। गुरुवार को जारी एक बयान के अनुसार, नेतन्याहू और गैलेंट पर 8 अक्टूबर, 2023 और 20 मई, 2024 के बीच मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध करने का आरोप है। तीन न्यायाधीशों के पैनल ने अपने सर्वसम्मत निर्णय में कहा कि यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि दोनों अधिकारियों ने जानबूझकर और जानबूझकर गाजा में नागरिक आबादी को जीवित रहने के लिए आवश्यक वस्तुओं से वंचित किया।

अडानी पर दोहरी मार; अमेरिका में केस दर्ज, केन्या में डील रद्द

नई दिल्ली, एजेंस

उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (करीब 2236 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। भारत के दूसरे सबसे अमीर शख्स अदाणी पर अमेरिकी अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में रिश्वतखोरी और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। न्यूयॉर्क की एक अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा आपराधिक अभियोग दायर किया गया है, जिसमें उन पर तथा उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश जैसे राज्य सरकारों के अज्ञात अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है, ताकि 20 वर्षों में दो अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का लाभ कमाया जा सके। साथ ही गुरुवार को ही केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ हुए 700 मिलियन डॉलर के पावर ट्रांसमिशन समझौते को रद्द कर दिया है। इस समझौते के तहत केन्या में बिजली के ट्रांसमिशन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना था, जो अब पूरी तरह से स्थगित कर दिया गया है। इसके अलावा, अडानी ग्रुप का 1.8 बिलियन डॉलर का प्रस्ताव भी रद्द कर दिया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार के लिए था। यह प्रस्ताव केन्या के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए था, जिसे अब केन्या सरकार ने रद्द कर दिया है।

अडाणी समूह ने रिश्वतखोरी के आरोपों को किया खारिज

अदाणी समूह ने अमेरिकी अधिकारियों के रिश्वतखोरी के आरोपों को बृहस्पतिवार को खारिज करते हुए इन्हें निराधार बताया और कहा कि समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता रहा है। उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। समूह ने कहा कि वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगा।

मप्र का विक्रम उद्योगपुरी बना देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क

विजय मत, ब्यूरो उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विक्रम उद्योगपुरी ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम करते हुए देश का सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क बनने का गौरव हासिल किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छ औद्योगिक पार्क' अभियान के तहत दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

विजय मत एंकर ऑस्ट्रेलिया की संचार मंत्री ने संसद में पेश किया नया कानून

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर 3 करोड़ डॉलर का जुर्माना

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की संचार मंत्री ने संसद में एक ऐसा कानून पेश किया, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने कहा कि आजकल ऑनलाइन सुरक्षा अभिभावकों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। ऑस्ट्रेलिया की संचार मंत्री रोलैंड ने कहा कि अगर टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों पर अकाउंट बनाने से रोकने में विफल रहते हैं, तो इन (सोशल मीडिया मंचों) पर पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

रोलैंड ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के बहुत से युवाओं के लिए सोशल मीडिया हानिकारक साबित हो सकता है। लगभग दो-तिहाई, 14 से 17 साल के ऑस्ट्रेलियाई बच्चों ने बेहद हानिकारक सामग्री ऑनलाइन देखी है, जिसमें मादक पदार्थ का सेवन, आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ हिंसक सामग्री शामिल है। एक चौथाई बच्चों ने असुरक्षित खानपान आदतों को बढ़ावा देने वाली सामग्री देखी है। उन्होंने कहा कि सरकारी शोध में पाया गया कि 95 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई अभिभावक ऑनलाइन सुरक्षा को अपने पालन-पोषण की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक मानते हैं।

यूक्रेन पर रूस का अब तक का सबसे बड़ा हमला इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल दागी

कीव, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन पर पहली बार इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। मौजूदा युद्ध में पहली बार ICBM का इस्तेमाल किया गया है। रूस ने गुरुवार को सुबह 5-7 बजे के बीच यूक्रेन के निप्रो शहर पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। रूस ने औद्योगिक, बुनियादी ढांचे पर निशाना साधा। यूक्रेन के वायु सेना ने रूसी हमले की पुष्टि कर दी है। निप्रो शहर को लेकर बताया जा रहा है कि यह इतिहास का पहला शहर बन गया है जहां इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ है। यूक्रेन ने कहा है कि रूस ने बीती रात यूक्रेनी शहर निप्रो को निशाना बनाकर युद्ध में पहली बार इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का इस्तेमाल किया। यूक्रेन की वायुसेना ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि इसे रूस के अस्त्रखान क्षेत्र से दागा गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब युद्ध के मैदान में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों के पहुंचने के साथ युद्ध ने अधिक अंतरराष्ट्रीय आयाम ले लिया है।

न्यूज इन शॉर्ट

मांडवी अवधिया बनें भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन के संभागीय अध्यक्ष

सीधी। आम आदमी की आवाज बनकर शोषित पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए बढ़चढ़ कर लोगों की मदद करने वाले भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन के द्वारा अपनी टीम का विस्तार करते हुए सीधी शहर निवासी मांडवी शरण अवधिया को रीवा संभाग का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री मांडवी को यह जिम्मेदारी भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका एम तिवारी द्वारा उनकी लगन और निष्ठा को देखते हुए की गई है। अपनी नियुक्ति पर मांडवी शरण अवधिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस आशा और विश्वास के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मध्यप्रदेश के रीवा संभाग की जिम्मेवारी मुझे सौंपी गई है मैं यह विश्वास दिलाता हूं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंशानुरूप कार्य करते हुए रीवा संभाग में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। इसके अलावा उनके द्वारा मुझे संगठन विस्तार को लेकर भी जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसको भी जल्द से जल्द पूर्ण करते हुए रीवा संभाग अंतर्गत आने वाले सभी जिलों में एक मजबूत टीम का गठन किया जाएगा। और यह टीम आम आदमी की आवाज बनकर लोगों को न्याय दिलाने में साधक बनेंगी।

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत बहरी में दूसरे सामुदायिक शौचालय का संचालन प्रारंभ

शहडोल। जिला सीधी अंतर्गत जनपद पंचायत सिहावल में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत स्वच्छ बहरी सुंदर बहरी ग्राम पंचायत क्षेत्र बहरी बाजार ग्राम केशवाही साडा भवन के सामने दूसरे सामुदायिक शौचालय का संचालन किया गया। सार्वजनिक शौचालय आधुनिक सर्वसुविधायुक्त है जिसमें बोरबेल, स्नानागार, लेडीज यूरिनल, पुरूष यूरिनल, बिजली, पानी, सहित रखरखाव के लिए कर्मचारी की व्यवस्था की गई है। इसी अभियान अंतर्गत अन्य अक्रियाशील सामुदायिक शौचालय को इसी तरह सुधार करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत द्वारा दिया गया। उक्त सामुदायिक शौचालय का संचालन होने से व्यवसायियों एवं क्षेत्र से आ रहे ग्रामीण जनों को सुविधा मिलेगी एवं बस स्टैंड साडा परिसर में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

रीवा। जिला पंचायत रीवा की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 22 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गयी है। बैठक में वर्ष 2024-25 की डीपीडीपी कार्ययोजना के अनुमोदन, 15वें वित्त की राशि पर चर्चा, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं शिक्षा विभाग में रमसा योजना के तहत रीवा एवं मऊगंज जिले में निर्माण कार्यों पर चर्चा के साथ ही आदिम जाति कल्याण विभाग अन्तर्गत संचालित छात्रावासों में कार्यरत वार्डन की अद्यतन स्थित की समीक्षा की जायेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बैठक में समिति के सदस्यों उपस्थिति का अनुरोध करते हुए विभागीय अधिकारियों को जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आयोजित होंगे निःशुल्क शिविर

रीवा। जिले में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के लिए शहरी क्षेत्र में निःशुल्क शिविर आयोजित किये जायेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि 23 नवम्बर को नगर निगम कार्यालय एवं वृद्धाश्रम रीवा में, 25 नवम्बर को ब्राम्हाकुमारी आश्रम तथा जिला न्यायालय परिसर में 26 नवम्बर को अटल रैन बसेरा में तथा 27 नवम्बर को रेडक्रास सोसायटी कार्यालय में शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसके अतिरिक्त संजय गांधी अस्पताल व जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 70 वर्ष से आयु के वृद्धजनों के कार्ड बनाये जा रहे हैं।

नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 22 नवम्बर को जिले के समस्त नगरीय निकायों में मदवार संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आहूत बैठक में नगरीय निकाय के सभी सीएमओ तथा उप यंत्रियों को उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

अब कोयला उत्पादन तक ही सीमित हो गई है कालरी प्रबंधन

न खेलकूद के आयोजन होते न दिखते सांस्कृतिक कार्यक्रम, आखिर श्रम संगठन भी ऐसे आयोजनों को लेकर क्यों नहीं आते सामने

विजय मत, धनपुरी।

कभी एसईसीएल सोहागपुर एरिया सिर्फ कोयला उत्पादन ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रम खेलकूद के आयोजनों को लेकर भी अपनी एक अलग पहचान रखती थी लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अगर देखा जाए तो इन सभी बातों पर प्रबंधन की ओर से कोई ध्यान दिया जा रहा हो यह देखा नहीं जा रहा है 10 वर्ष पहले जब अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था तो इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में एक उत्साह देखा गया था हजारों की संख्या में खेल प्रेमी आयोजन को देखने के लिए सुभाष स्टेडियम पहुंचते थे तब मंच से इस बात को भी कहा जाता था कि आने वाले वर्षों में इस आयोजन को और भी भव्यता प्रदान की जाएगी लेकिन अगर आज देखा जाए तो इन आयोजनों को लेकर किसी तरह का प्रयास नजर नहीं आता कहने को तो एसईसीएल सोहागपुर एरिया में पांच श्रम संगठन है और अगर श्रम संगठन इस पर प्रयास करते तो शायद आगे भी यह आयोजन अनवरत चलता रहता लेकिन ऐसा हो न सका और आज एसईसीएल सोहागपुर एरिया में ऐसे आयोजनों को लेकर लोग इंतजार कर रहे हैं लेकिन जिस तरह से इन आयोजनों को लेकर प्रबंधन की कोई दिलचस्पी नजर नहीं आती उसे लेकर यही उम्मीद नजर आती है कि शायद अब ऐसे आयोजन इस एरिया में नहीं होंगे कंपनी की तरफ से खेलों को लेकर आयोजन किया जाता है लेकिन एरिया की ओर से खेलों का आयोजन को लेकर प्रयास देखा जाना चाहिए वह प्रयास आज भी दूर-दूर तक नजर नहीं आता हजारों की संख्या में यहां कर्मचारी रहते हैं कर्मचारियों की समस्याएं तो कालोनियों में नजर आती है मनोरंजन को लेकर सांस्कृतिक

कार्यक्रम एवं खेलकूद के आयोजनों में पूरी तरह से अंकुश लग गया है जबकि कोयला उत्पादन को लेकर आज सोहागपुर एरिया पूरे बिलासपुर मुख्यालय में अपनी अलग पहचान रखती है जहां हर साल करोड़ों रुपए कोयला उत्पादन से लाभ होता है लेकिन इसके बाद भी ऐसे आयोजनों को लेकर किसी तरह का प्रयास न किया जाना लोगों को निराश ही करता है।

पूर्व में देखा जाता था एसईसीएल सोहागपुर एरिया में कवि सम्मेलन का आयोजन होता था जिसे लेकर लोगों में एक उत्साह देखा जाता था और इस आयोजन पर भी अब पूरी तरह से रोक लग गई कुछ वर्षों पहले इस बात को लेकर चर्चा सुनी जा रही थी कि एरिया प्रबंधन कवि सम्मेलन के आयोजन को लेकर प्रयास कर रही है बिलासपुर मुख्यालय से भी इस पर चर्चा कर रही है लेकिन चर्चाएं सिर्फ चर्चाओं तक ही रह गई ना कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ इसे लेकर कहीं से भी कोई ठोस प्रयास नजर नहीं आया आज सवाल यह उठता है कि जिस एरिया में कोयले का अपार भंडार है जहां की खदानों से प्रतिदिन हजारों टन कोयला उत्पादन होता है हजारों कर्मचारी जिन खदानों में कोयला उत्पादन करने में काम करते हैं आज एरिया पूरे साल किसी तरह का कोई आयोजन नहीं करती जोकि कई सवाल भी खड़े करती है सवाल यह उठता है कि आखिर इस पर किसी तरह का प्रयास प्रबंधन की ओर से क्यों नहीं किया जाता ताकि कवि सम्मेलन अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो सके जिसमें यहां के कर्मचारी शामिल हो सके लेकिन इसके लिए एरिया के पांचो श्रम संगठन को प्रयास करना होगा एरिया प्रबंधन से लेकर अगर बिलासपुर मुख्यालय तक इस पर चर्चा की जाए और प्रयास हो जो साल में एक बार ऐसे आयोजन एरिया में देखे जा सकते हैं।

इनका कहना है

ऐसे आयोजन को लेकर सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा ताकि सांस्कृतिक एवं खेलकूद के आयोजन फिर से शुरू हो सके।

» शिव नारायण मिश्रा
महामंत्री हिंद मजदूर सभा सोहागपुर एरिया

समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन दो दिसम्बर से 20 जनवरी तक

रीवा जिले में 78 खरीदी केन्द्रों में दो दिसम्बर से होगा धान का उपार्जन

रीवा। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन एक दिसम्बर से किया जाएगा। धान उपार्जन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 78 केन्द्र स्थापित कर दिए गए हैं। जिले में 64243 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इनका सत्यापन किया जा चुका है। धान उपार्जन के लिए तहसील गुढ़ में 6, जवा में 5, त्योंथर में 19, मनगवां में 10, रायपुर कर्चुलियान में 7, सेमरिया में 8, सिरमौर में 10, तहसील हुजूर में 15 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। अधिकांश गोदाम में ही खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं जिससे उपार्जित धान का तत्काल भण्डारण हो सके।

कलेक्टर ने बताया कि एफएक्यू धान के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। धान खरीदी के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में तौल कांटे एवं बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से धान का उपार्जन किया जाएगा। पंजीकृत किसान अपनी धान बेचने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से दिनांक और समय का निर्धारण करके स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई है। धान का उपार्जन करने के लिए खरीदी केन्द्र आते समय किसान असुविधा से बचने के लिए अपने पंजीयन की रसीद, स्लॉट बुकिंग पावती, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल अपने साथ रखें। उपार्जन केन्द्र प्रभारी तथा किसान द्वारा बायोमेट्रिक अथवा ओटीपी सत्यापन के बाद ही खरीदी की पावती जारी होगी। इसे किसान अपने पास सुरक्षित रखें। कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ऐसा है सोहागपुर एरिया जहां पर 2800 मेडिकल बिलों के भुगतान पड़े हुए हैं ठंडे बस्ते में

कई कई महीने बीत जाते हैं लेकिन नहीं हो पाए मेडिकल बिलो के भुगतान

विजय मत, धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया का केंद्रीय चिकित्सालय स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर तो वैसे भी चर्चाओं में बना रहता है लेकिन इससे अधिक चर्चा यहां पर रुके हुए मेडिकल बिलों के भुगतान को लेकर हो रही है जिसे लेकर जितनी गंभीरता दिखाई जानी चाहिए उतनी देखने को नहीं मिलती जिस कारण से ही यहां पर मेडिकल बिलों के भुगतान रुके हुए हैं और इन भुगतान को पाने के लिए कर्मचारी यूनिट से लेकर एरिया मुख्यालय तक के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

बताया जाता है कि केंद्रीय चिकित्सालय में करीब 2800 से भी अधिक मेडिकल बिलों के भुगतान पेंडिंग पड़े हुए हैं इनमें सेवानिवृत कर्मचारी भी शामिल है और जो वर्तमान में काम कर रहे हैं उनके भी नाम है यह बात हमेशा देखी जाती है कि केंद्रीय चिकित्सालय में जब भी डॉक्टरो के द्वारा कोई दवा लिखी जाती है और अगर वह चिकित्सालय में उपलब्ध नहीं रहती तो फिर इसे बाहर से खरीदना पड़ता है नियम के अनुसार जो दवाइयां बाहर से खरीदी जाती हैं उनका भुगतान प्रबंधन के द्वारा किया जाता है जहां पर मेडिकल बिल लगाए जाते हैं लेकिन यहां पर अगर देखा जाए तो कई कई

महीने मेडिकल बिलों के भुगतान को लेकर कालरी के कर्मचारी परेशान देखे जाते हैं वैसे भी इन मेडिकल बिलों के भुगतान की जिम्मेदारी एक क्लर्क को दी गई है जिसके पास और भी कई काम होते हैं जिस कारण से भी मेडिकल बिलों के भुगतान में विलंब देखा जाता है सवाल इस बात का उठता है कि आखिर इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया में मेडिकल बिलों के भुगतान को लेकर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं विगत दिनों जब श्रम संगठन एवं सेवानिवृत कर्मचारियों ने धरना दिया था वहां पर भी इस मुद्दे को शामिल किया गया था यहां तक कि जब प्रबंधन से इस पर बात की गई तो इस मुद्दे को प्रमुखता से रखा गया था लेकिन इन सब के बाद भी अगर देखा जाए तो जितनी तेजी से मेडिकल बिलों के भुगतान को लेकर प्रयास किए जाने चाहिए वैसा देखने को नहीं मिलता है बड़ी संख्या में मेडिकल बिलो के भुगतान को लेकर कर्मचारी इस कार्यालय से उस कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर होते हैं कभी इस बात को कहा जाता है की एक-दो दिन में भुगतान हो जाएगा तो कभी इस बात को कहा जाता है कि अभी उस कार्यालय से कागज नहीं आया है आने के बाद इस पर आगे की कार्यवाही की जाएगी और यही करते-करते महीनो बीत जाते हैं कुछ मेडिकल बिल तो ऐसे भी हैं जो सालों से रुके हुए हैं इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मेडिकल बिलो के भुगतान को लेकर कितनी गंभीरता दिखाई जा रही है।

मेडिकल बिलो के भुगतान को लेकर होने वाले विलंब पर अक्सर एरिया जेसीसी की बैठक में श्रम संगठन सवाल उठाते हैं यहां पर भी मौजूद जिम्मेदार इस पर ध्यान देने की बात कहते हैं लेकिन ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिलता जरूर है एरिया महाप्रबंधक इस ओर ध्यान दें ताकि मेडिकल बिलों का भुगतान समय से कर्मचारियों का हो सके।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

विजय मत, रीवा।

कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को धान तथा अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने कहा है कि नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है। वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभ दायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं। इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। उप संचालक ने बताया कि धान की फसल के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई किए बिना गेंहू, चने और सरसों की बोनी के लिए सुपर सीडर तथा हैप्पी सीडर का उपयोग बहुत लाभकारी है। इससे नरवाई नष्ट होने के साथ जुताई और बुवाई का खर्च और समय दोनों बचेगा। साथ ही नरवाई से खाद भी बन जाएगी। उप संचालक ने बताया कि नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से 60 हजार से अधिक किसानों को एसएमएस भेजकर जानकारी दी गई है। इन्हें सुपर सीडर के उपयोग के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इस साल जिले में किसानों द्वारा 30 सुपर सीडर खरीदे गए हैं। जिनके उपयोग से नरवाई प्रबंधन किया जा रहा है और आग लगाने की घटनाओं में कमी आई है।

मुख्यमंत्री की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक आज

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 22 नवम्बर को शाम 5 बजे से आयोजित बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री बैठक में धान तथा सोयाबीन के उपार्जन की व्यवस्था, खाद एवं बीज के वितरण, राजस्व महाअभियान 3.0, गीता जयंती की तैयारियों तथा मिलावटखोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा करेंगे। बैठक में हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा मनाए जाने की तैयारियों, नरवाई प्रबंधन के प्रयासों, स्वनिधि भी स्वाभिमान भी पखवाड़ा की समीक्षा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं कानून और व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसंबर को

रीवा। आपसी सुलह से लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसंबर को किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। इसमें बिजली विभाग, नगरीय निकाय, बैंक, बीमा, श्रम, दूरसंचार, दुर्घटना बीमा, पारिवारिक विवाद सहित अन्य प्रकरणों का आपसी सुलह से निराकरण किया जाएगा। लोक अदालत में प्रकरणों का अंतिम रूप से निराकरण किया जाता है। इसके निराकरण की अन्य किसी न्यायालय में अपील अथवा सुनवाई नहीं होती है। आपसी सुलह से प्रकरणों के निराकरण के इच्छुक पक्षकार आवेदन देकर लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा ली जाने वाली बैठक के एजेंडा बिन्दुओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 22 नवम्बर को प्रदेश के सभी संभागीय कमिश्नर एवं कलेक्टर से विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करेंगे। एजेंडा बिन्दुओं की कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने विभागीय अधिकारियों से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में सीसीटीव्ही लगाने तथा सीमा पर चेक पोस्ट बैरियर स्थापित करने के संबंध में पूछताछ की। कलेक्टर ने शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुसार खरीदी केन्द्रों में सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद वितरण की व्यवस्था सुगम हो इसके लिए संबंधित नायब तहसीलदार स्वयं वितरण केन्द्रों का भ्रमण करें और इसकी मानीटरिंग करें। उन्होंने गीता जयंती के आयोजन तथा स्वनिधि भी अभियान भी पखवाड़ा के तहत होने वाले आयोजनों के विषय में दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को पराली न जलाने की समझाइश दी जाय तथा सेटेलाइट चिन्हित व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। उन्होंने चयनित 163 प्रकरणों में आपदा प्रबंधन के तहत कार्यवाही करने तथा गंभीर प्रकरणों में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने एजेंडा बिन्दु धरती आबा गौरव दिवस अभियान के तहत किये गये कार्यों तथा हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभांवित हुये व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

कमिश्नर आज करेंगे समीक्षा

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में 22 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा करेंगे। बैठक में धान तथा सोयाबीन के उपार्जन की व्यवस्था, खाद एवं बीज के वितरण, राजस्व महाअभियान 3.0, गीता जयंती की तैयारियों तथा मिलावटखोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की जाएगी। बैठक में हम होंगे कामयाब विशेष जागरूकता पखवाड़ा मनाए जाने की तैयारियों, नरवाई प्रबंधन के प्रयासों, स्वनिधि भी स्वाभिमान भी पखवाड़ा की समीक्षा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं कानून और व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

अपराध

कोतवाली पुलिस ने दूसरी मूर्ति की कराई स्थापना

आस्था पर आघात से सड़क पर लोगों का फूटा गुस्सा

विजय मत, सीधी।

जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम शैरपुर में आज सुबह मंदिर के अंदर विराजमान बजरंगबली की प्रतिमा तोड़े जाने की खबर आग की तरह फैलते ही श्रद्धालुओं का गुस्सा फूट पड़ा। सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय मौके पर पहुंचे और विवेचना शुरू करने के साथ ही लोगों की आस्था को देखते हुये तत्काल बजरंगबली की नई मूर्ति मंगाकर मंदिर के उसकी स्थापना भी करा दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से करीब 13 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मझरेटी-शैरपुर की सीमा पर स्थित खरी पुलिया के समीप छोटे मंदिर में विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा को दरम्यानी रात अज्ञात लोगों द्वारा तोड़-फोडक़र पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। आज सुबह जब लोगों ने मंदिर के अंदर विराजमान हनुमान जी प्रतिमा को क्षतिग्रस्त हालत में देखा तो उनका आक्रोश भडक़ गया। दोपहर करीब एक बजे ग्रामीणों ने मुख्य सडक़ में चक्काजाम शुरू कर दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह से अवरूद्ध हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने हांथ में लाठी-डंड़े लेकर मुख्य सडक़ में इस पार से उस पार जाने में प्रतिबंध लगा दिया। बजरंगबली की मूर्ति तोड़े जाने की खबर मिलते ही लोगों की काफी भीड़

मौके पर जमा हो गई। स्थिति काफी तनाव पूर्ण हो गई, जिसके चलते पुलिस प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा। मौके पर उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी, कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय द्वारा लोगों को समझाइस दी गई कि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ा जायेगा। पुलिस इस मामले को प्राथमिकता में लेते हुये तत्काल विवेचना शुरू कर चुकी है। लोगो की धार्मिक आस्था को देखते हुये पुलिस द्वारा दोपहर करीब 3 बजे बजरंगबली की नई प्रतिमा मंगाकर मंदिर के अंदर स्थापित कर दी गई, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना करने में किसी तरह की दिक्कतें न हो।

मौके पर पहुंचे बजरंगी, जताया आक्रोश

शैरपुर में स्थित छोटे मंदिर में विराजमान भगवान बजरंगबली की प्रतिमा तोड़े जाने की खबर मिलने पर बजरंग दल अध्यक्ष गणेश सिंह परिहार, जिला मंत्री अनिल मिश्रा, भास्कर सिंह चौहान एवं पुजेरी लाल मिश्रा भी पहुंचे। बजरंग दल की ओर से इस घटना की तीव्र निंदा करते हुये कहा गया कि जिस भी व्यक्ति द्वारा बजरंग बली की प्रतिमा को खण्डित कर हिन्दुओं की भावना पर आघात किया है उसके विरूद्ध जल्द से जल्द पुलिस प्रशासन कार्यवाही करे। हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियों को तोड़े जाने की जो घटनाएं कुछ वर्षों से सामने आ रहीं हैं उसको गंभीरता से लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा सख्ती के साथ कार्यवाही की जाय।

इनका कहना है।

कोतवाली थाना अंतर्गत शैरपुर स्थित मंदिर में विराजगान बजरंगबली की प्रतिमा को अज्ञात आरोपी द्वारा दरम्यानी रात खंडित करने की सूचना आज सुबह पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध समुचित धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी की पतासाजी के लिये पुलिस की विशेष टीम का गठन भी किया गया है।

अरविन्द श्रीवास्तव, एएसपी सीधी।

न्यूज इन शॉर्ट

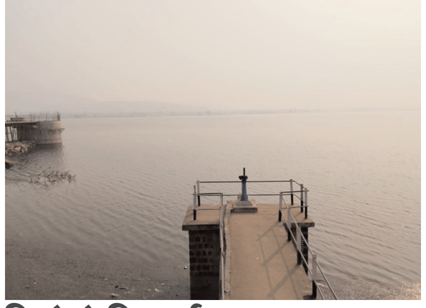

जिले में सिंचाई रकबा विस्तारित करने के सतत रूप से जारी है प्रयास

उमरिया। खेती में उत्पादन बढ़ाने हेतु किसान को सिंचाई की सुविधा, उत्तम बीज तथा समय पर उर्वरक की उपलब्धता की आवश्यकता होती है। प्रदेश सरकार व्दारा खेतो में सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने के लिए जल संसाधन विभाग के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे है। इसके सार्थक परिणाम भी सामने आए है। वर्ष 2024-25 में रबी सिंचाई का लक्ष्यण 8939 हे0 रखा गया है जो गत वर्ष से 360 हे0 अधिक है। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन एस के सिंह ने बताया कि जिले में जलाशयों की संख्या 29 है जिनमें रूपांकित जल भराव क्षमता 48.59 एमसीएम है। जिले में सिंचाई जलाशयों में 70 प्रतिशत जल भराव उपलब्ध है। इन जलाशयों से खरीफफसल में 4494 हेक्टेयर रबी फसल से 8045 हेक्टेयर कुल 12539 हेक्टेयर सिंचाई उपलब्धक कराई जाती है। जिले में 7 सिंचाई संरचनाएं प्रस्तावित है जिसमें अतरिया जलाशय, धनवाही व्यपर्वतन, बसाढ़ व्यपवर्तन, भडरी जलाशय, चंगेरा जलाशय, मगर जलाशय तथा खोह जलाशय शामिल है। इनके बन जाने से 2115 हे0 अतिरिक्त सिंचाई सुविधा का विस्तार हो सकेगा। वर्ष 2024-25 मे खरीफसिंचाई हेतु 1415 हे0 का लक्ष्य रखा गया था जिसके विरूध्द 565 हे0 में सिंचाई की गई है। वर्ष 2024-25 में रबी सिंचाई हेतु 8939 हे0 सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। जिले में सिंचाई जलाशयों में जीवित जल भराव का लक्ष्य 60.121 एमसीएम है जिसके विरूध्द 43.494 जीवित जल भराव उपलब्ध है, जो लक्ष्य का 72 प्रतिशत है। पेयजल एवं निस्तार हेतु 2 एमसीएम पानी नगर पालिका परिषद उमरिया क्षेत्र के लिए तथा 3.00 एमसीएम पानी आकाशकोट समूह जल प्रदाय योजना के लिए संरक्षित रखा गया है।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत धावडा कालोनी के पास बस स्टैंड कलेक्ट्रेट रोड के पास आरोपी वाहन चालक व्दारा वाहन को तेजगति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट करने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला कायम कर लिया है। जानकारी अनुसार प्रदीप सिह की शिकायत पर आरोपी वाहन चालक मोटर सायकल क्रमांक एमपी 18 जेड डी 4258 पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत चंदिया चौक उमरिया दुर्गा मंदिर के पास आरोपियो व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार राम प्रसाद पाल पिता विशाली पाल उम्र 42 साल निवासी सेमरिया की शिकायत पर आरोपी लल्लू पाल, लाल पाल सहित एक अन्य साथी पर पुलिस ने 126(2),296,115(2) 351, (3),3(5) के तहत मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

शंकराचार्य जी के शिष्य प्रतिनिधि आज उमरिया आएंगे

उमरिया। ब्रह्मचारी रामानंद जी शंकराचार्य जी के शिष्य

प्रतिनिधि 22 नवंबर को विशेष विमान से जबलपुर पहुंचेगे जहां से जबलपुर से बाय रोड उमरिया आयेगे। उमरिया में मोहन मिश्रा के निज निवास में रात्रि विश्राम करेंगे। ब्रह्मचारी रामानंद जी शंकराचार्य जी के शिष्य प्रतिनिधि 23 नवंबर को बांधवगढ़ में विवाह समारोह में उपस्थित होंगे। जिलेवासियों से अपील की गई है कि जो भी नागरिक शिष्य प्रतिनिधि का दर्शन लाभ लेना चाहते है, वे मोहन मिश्रा के निज निवास में पहुंचे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का मिलेगा लाभ

सीधी। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य विभाग की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना को भी सम्मिलित किया गया है। इस योजना अंतर्गत सीधी जिले के चयनित 134 ग्रामों में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राही जो मत्स्यपालन की गतिविधियों से जुड़कर रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन कर सकते हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य विभाग की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में बैकयार्ड मिनी आरएएस, बायोफ्लाक, पोंड बायोफ्लाक, मछली बेचने के लिए साईकिल, मोटर साईकिल, आटोरिक्शा विथ आइस बॉक्स, संवर्धन पोखर निर्माण, फिश सेल्लिंग की ओस्क सहित एनी गतिविधियों हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इच्छुक हितग्राही मत्स्य पालन विभाग के जिला कार्यालय, जनपद पंचायत स्तर पर स्थित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों से संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस योजना में इकाई लागत का 90 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में कार्य पूर्ण होने तथा मूल्यांकन पश्चात हितग्राही को शासन द्वारा सीधे हितग्राही के बैंक खाते मे देय होगा। यह योजना केवल जिले के चयनित 134 ग्रामों में निवासरत आदिवासी वर्ग के हितग्राहियों के लिये ही संचालित है। चयनित ग्रामों में निवासरत केवल आदिवासी वर्ग के इच्छुक हितग्राही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मछली पालन के लाभकारी व्यवसाय से जुड़कर योजना का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते है।

कलेक्टर ने आमजन से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभाने किया आव्हान

पर्यावरण मित्रों ने कलेक्टर को एक पेड़ मां के नाम पोस्टर किया भेंट

विजय मत, उमरिया।

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में नेहरू युवा केंद्र उमरिया (माय भारत) के पर्यावरण मित्रों के द्वारा ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान में सहभागिता निभाने के उद्देश्य से पोस्टर्स के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन को पर्यावरण मित्रों की टोली ने कलेक्टर कार्यालय परिसर

में पोस्टर भेंट किया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने पर्यावरण वॉलिंटियर्स की सराहना करते हुए कहा कि पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सभी को अपनी सहभागिता निभानी चाहिए।हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरत और हरा-भरा बनाए रखने के लिए कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। साथ ही उन्होंने जिले वासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। सभी के लिए पौधारोपण करना और उसे बचाना बेहद जरूरी है।

पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने कहा कि पर्यावरण को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।महीने में कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। शुभ अवसरों पर भी पौधरोपण जरूर करें और उसके संरक्षण का कार्य भी करें। पेड़-पौधों का भी अपना परिवार है। इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। इस दौरान पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी, पर्यावरण मित्र खुशी सेन, वर्षा बर्मन, खुशबू बर्मन एवं सभी उपस्थित रहे।

नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों सुपरसीडर या हैप्पीसीडर से बुवाई करें

विजय मत, उमरिया।

फसलों की कटाई के बाद उनके जो अवशेष खेत में रह जाते हैं, उसे नरवाई या पराली कहते हैं।मशीनो से फसल की कटाई होने पर बड़ी मात्रा में नरवाई खेत मे रहती है, इसको हटाने के लिए किसान प्रायः इसे जला देते हैं। इससे खेत की माटी की उपरी परत में रहने वाले फसलों के लिए उपयोगी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं।

मिट्टी में कड़ापन आ जाता है और इसकी जलधारण क्षमता बहुत कम हो जाती है। किसान नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक .षि उपकरणों का उपयोग करें। इन उपकरणों के उपयोग से नरवाई को नष्ट करके खाद बना दिया जाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। नरवाई जलाने से मिट्टी को होने वाले नुकसान और धुएं से होने वाला पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होता है। किसान धान तथा अन्य फसलों की नरवाई खेत से हटाने के लिए सुपरसीडर और हैप्पीसीडर का उपयोग करें। ये उपकरण किसी भी ट्रैक्टर जो 50 एच पी के हों उसमे आसानी से फिट हो जाते हैं। इनके उपयोग से एक ही बार मे नरवाई नष्ट होने के साथ-साथ खेत की जुताई और बुवाई हो जाती है। इससे जुताई का खर्च और समय दोनों की बचत होती है।इसके अलावा किसान ट्रैक्टर में स्ट्राबेलर का उपयोग करके नरवाई को खाद में बदल सकते हैं।

.षि विज्ञान केंद्र, उमरिया और .षि आभियांत्रिकी विभाग, उमरिया के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम कछरवार में सुपरसीडर द्वारा गेहू की फसल की बुवाई की गई। .षि विज्ञानं केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एव प्रमुख डा के पी तिवारी बताया की धान के फसल यदि हार्वेस्टर से की जाती है तो खेत मे फसल के अवशेष रह जाते हैं जिनकी सफाई के बिना बुवाई करना बहुत बड़ी चुनौती रहती है, लेकिन सुपरसीडर एक ऐसी मशीन है जो बिना सफाई के आसानी से गेहू या चना की बुवाई कर सकती है। नरवाई जलाने से मिट्टी में उत्पन्न होने वाले कार्बनिक पदार्थ में कमी आ जाती है। सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते है, जिसके फलस्वरूप जैविक खाद का निर्माण बंद हो जाता है।भूमि की ऊपरी परत मे ही पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध रहते है।आग लगाने के कारण ये पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं। बुवाई के दौरान करीब 25 किसान उपस्थित थे। सहायक यंत्री .षि आभियांत्रिकी श्रीमती मेघा पाटिल द्वारा सुपरसीडर पर मिलाने वाली छूट के बारे में बताया की यह मशीन 3 लाख रूपये की आती है जिसमे 1 लाख 5 हजार की छूट मिलती है। सुपर सीडर एक साथ तीन काम करती है जिससे हार्वेस्टर के बाद बचे फसल अवशेष को बारीक काटकर मिटटी मे मिला देता है जिससे मिटटी मे कार्बन कंटेंट बढ़ेगा। मिटटी उपजाऊ होगी और खेत मे कटाई उपरांत तुरंत बोनी का कार्य हो जायेगा। .षि विज्ञान केंद्र उमरिया के वैज्ञानिक डा धनंजय सिंह ने बताया की फसल अवशेषों को जलाने की बजाय उनको वापस भूमि मे मिला देने से कई लाभ होते हैं।जैसे कि कार्बनिक पदार्थ की उपलब्धता मे वृद्धि, पोषक तत्वो की उपलब्धता मे वृद्धि, मृदा भौतिकगुणों के सुधार होते हैं। फसल उत्पादकता में वृद्धि आती है। खेतो मे नरवाई का उपयोग खाद एवं भूसा बनाने मे करें। नरवाई से कार्बनिक पदार्थ भूमि में जाकर मृदा पर्यावरण में सुधारकर सूक्ष्म जीवी अभिक्रियाओ को उत्प्रेरित करते हैं।जिससे .षि टिकाऊ रहने के साथ-साथ उत्पादन मे वृद्धि होती है।

जंगली हाथी को जंगल में छोडा- कॉलर पहनाकर की जाएगी निगरानी

ताला परिक्षेत्र के दमना बीट के जंगल में छोड़ा

विजय मत, उमरिया।

बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ टाइगर रिजर्व में रेस्क्यू कर ले गए जंगली हाथी को कॉलर पहनाकर जंगल में छोड़ा गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ताला परिक्षेत्र के दमना बीट में हाथी को छोड़कर टाइगर रिजर्व प्रबंधन निगरानी में जुटा हुआ है। जंगली हाथी को शहडोल वन मंडल के जयसिंह नगर परिक्षेत्र के वनचाचर बीट के कक्ष क्रमांक आर एफ332 से रेस्क्यू किया गया था जंगली हाथी के हमले से एक ग्रामीण की भी मौत हो गई थी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन की रेस्क्यू टीम ने रेस्क्यू कर जंगली हाथी को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व लाई थी जंगली नर हाथी की उम्र लगभग 12 वर्ष है।

रेस्क्यू किए गए नर हाथी की उम्र 12 वर्ष है। मार्च 2024 से लगातार टाइगर रिजर्व प्रबंधन की निगरानी में जंगली हाथी को रखा गया था। टाइगर रिजर्व प्रबंधन की टीम ने जंगली हाथी के स्वास्थ्य और खान-पान की निगरानी कर रही थी। लगभग 8 माह बाद जंगली हाथी को टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अधिकारियों और विशेषज्ञों की निगरानी में कॉलर पहनाया गया। कॉलर पहनने के बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ताला परिक्षेत्र के दमना के जंगलों में छोड़ा गया। कॉलर पहनकर हाथी को बांधवगढ़ ही नहीं मध्य प्रदेश में भी पहली बार जंगल में छोड़ा गया होगा। परिक्षेत्र अधिकारी ताला पुष्पा सिंह ने बताया कि हाथी को दमना बीट में छोड़ दिया गया है नर हाथी की उम्र लगभग 12 वर्ष है हाथी की निगरानी की जाएगी।

मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ के जिला स्तरीय चुनाव सम्पन्न

विजय मत, सीधी।

मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें जिले के आए सभी ब्लाकों के कर्मचारी जिसमें विक्रेता, कनिष्ठ विक्रेता, प्रभारी प्रबंधक, आपरेटर, लिपिक एवं चैकीदार उपस्थित रहें। इस अवसर पर प्रदेश महासंघ के राजेश मिश्रा को सीधी जिला का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था उनकी उपस्थिति में जिला अध्यक्ष हेतु चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें उपस्थित समस्त गणमान्य पदाधिकारियों, सदस्यों द्वारा जिला अध्यक्ष पद हेतु नरेन्द्र सिंह को सर्वसम्मति से निर्विरोध चुना गया। इसके साथ ही प्रदेश प्रतिनिधि के निर्वाचन में मतदान प्रक्रिया प्रारम्भ हुई जिसमें 151 मत प्राप्त हुए जिसमें अशोक सिंह चैहान को 141 मत प्राप्त हुए तथा उन्हे विजयी घोषित कर चुनाव अधिकारी राजेश मिश्रा द्वारा प्रमण-पत्र जारी किया गया। इस अवसर पर जिला संरक्षक राकेश सिंह, अनिल मिश्रा, धीरेन्द्र सिंह प्रबंधक बघवार, जय सिंह, सुखेन्द्र सिंह, राजभान पटेल, सुखसागर पटेल, रामशिरोमणि जायसवाल, ध्रुव सिंह, मनोज कुमार द्विवेदी, जीतेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह गहरवार सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

अमानक लाटों का बीज भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित

सीधी। अनुज्ञप्ति अधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत बीज निरीक्षण विकासखण्ड सीधी द्वारा बीज नमूना लिया जाकर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजे गये थे जो बीज परीक्षण प्रयोगशाला रीवा के पत्र दिनांक 11.11.2024 के द्वारा प्राप्त परिणाम के आधार पर अमानक स्तर का पाया गया है। बीज नियंत्रण आदेश 1983 की धारा 15 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अमानक लाटों का बीज का भण्डारण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।उन्होने बताया कि मे. न्यू रौनक कृषि सेवा केन्द्र प्रो रावेन्द्र कुमार शुक्ला लालता चैक सीधी के विक्रय प्रतिष्ठान से अजीत सीड्स प्रा. लि. हैदराबाद के बीज सरसो किस्म नम्बर एसएलव्ही-एएल-0909 का नमूना लिया गया था जो परीक्षण उपरान्त अनामन पाया गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ में भाषण, निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

विजय मत, सीधी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत भाषण, निबंध तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन 18 नवंबर से सतत किया जा रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी डॉ. रामनारायण स्वर्णकार के कुशल नेतृत्व में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है। दिनांक 18.11.2024 को भाषण प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अश्वनी कुमार द्विवेदी द्वारा ÷भारतीय ज्ञान परंपरा प्रासंगिकता÷ विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया गया और छात्रध्छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. अनिल

सिंह प्राध्यापक अंग्रेजी ने भारतीय ज्ञान परंपरा प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। भाषण प्रतियोगिताओं में कुल 11 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान अभिनय शर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान अंकुश सिंह परिहार बी.ए. तृतीय वर्ष, तृतीय स्थान अनामिका तिवारी बी.ए. तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के निर्णयक क्रमशः डॉ. गौरव यादव (अतिथि विद्वान वनस्पति शास्त्र), डॉ. कोमल पाण्डेय (अतिथि विद्वान समाज शास्त्र), डॉ. नागेन्द्र सिंह (सहायक प्राध्यापक हिन्दी) रहे। निबंध प्रतियोगिता दिनांक 19.11.2024 को आयोजित हुई जिसके संयोजक डॉ. गुलशेर अहमद रहे। निबंध प्रतियोगिता का विषय ÷भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति÷ रहा। इस प्रतियोगिता में कुल 13 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान अंकुश सिंह परिहार बी.ए. तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान आराधना द्विवेदी बी.एससी. द्वितीय वर्ष, तृतीय स्थान अंजली सिंह बी.ए. तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ।

अपराध

32 क्विंटल चावल, 39 क्विंटल गेहूं और 35 किलो नमक ले गए चोर

सीधी में राशन की दुकान से चोरी

विजय मत, सीधी।

जिले के सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत मुर्दाडीह गांव में स्थित एक राशन की दुकान में चोरों ने बड़े पैमाने पर चोरी की घटना को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, चोरों ने राशन की दुकान से 32 क्विंटल चावल, 39 क्विंटल गेहूं और 35 किलो नमक चुरा लिया। इस घटना की सूचना स्थानीय निवासी रामफल सिंह ने गुरुवार को दोपहर 1 बजे कोटेदार राकेश सिंह को दी, जिससे प्रशासन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

रामफल सिंह के अनुसार, वह 21 नवंबर को दोपहर 1 बजे अपने घर से बाहर कोटा की तरफ गए थे। लौटते समय उन्होंने देखा कि राशन की दुकान का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने दुकान के अंदर जाकर देखा तो वहां का दृश्य हैरान करने वाला था। सारा राशन गायब था। इसके बाद रामफल सिंह ने

तुरंत कोटेदार राकेश सिंह को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही कोटेदार ने 15 मिनट के भीतर घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस को सूचित किया।

कोटेदार राकेश सिंह ने बताया कि इस दुकान में 250 परिवारों के लिए राशन रखा हुआ था, जिसे आने वाले दिनों में वितरित किया जाना था। राशन की चोरी से गरीबों का हक मारा गया है और अब प्रशासन को इसकी जांच करनी होगी। राकेश सिंह ने बताया कि दुकान गांव से कुछ दूरी पर स्थित है, जिससे वहां कम लोग आ- जा पाते हैं। इस कारण से चोरों ने इस मौके का फायदा उठाया और यह बड़ा अपराध किया।

घटना की सूचना मिलते ही कमर्जी पुलिस थाना के प्रभारी पवन सिंह ने मामले की गंभीरता को समझते हुए मौके पर बीट प्रभारियों को भेजा। पवन सिंह ने कहा कि पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है और चोरी हुए सामान की जांच की जा रही है। चोरों की पहचान और उनका पता लगाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पूरी घटना की विवेचना शुरू कर दी गई है और जल्दी ही आरोपियों का पता लगाने की कोशिश चोरी की घटना से ग्रामीणों में भारी गुस्सा है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल उनके हक का राशन चुराने की घटना है, बल्कि यह इस क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति पर भी सवाल खड़ा करती है। गांव के लोग इस घटना के बाद बहुत परेशान हैं और उन्हें डर है कि भविष्य में भी ऐसी घटनाएं हो सकती हैं।चोरों द्वारा राशन की दुकान को निशाना बनाने के पीछे कुछ प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह दुकान गांव से कुछ दूरी पर स्थित है और यहां लोगों का आना-जाना कम होता है, जिससे चोरों को मौका मिल गया। साथ ही, पुलिस की नाकामी और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भी इस घटना का कारण बन सकती है।

यह घटना इस बात को साबित करती है कि गरीबों के राशन की सुरक्षा के लिए प्रशासन को और कड़ी व्यवस्था बनाने की जरूरत है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है, और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्दी ही आरोपियों का पता लगाया जाएगा। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के मसले को एक ब फिर से उजागर किया है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

पुतिन की परमाणु नीति में बदलाव

रूस और यूक्रेन के बीच क्रूर युद्ध को 1000 दिन पूरे हो चुके हैं। दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा पहले से कहीं अधिक नजदीक नजर आता है। रूस और यूक्रेन के बीच क्रूर युद्ध को 1000 दिन पूरे हो चुके हैं। दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा पहले से कहीं अधिक नजदीक नजर आता है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने परमाणु सिद्धांत से जुड़े कायदे कानून को बदल डाला है। रूस ने परमाणु सिद्धांत में बदलाव करते हुए कहा है कि अगर गैर परमाणु देश किसी परमाणु शक्ति वाले देश के समर्थन से उस पर हमला करता है तो इसे रूस के? खिलाफ जंग माना जाएगा और रूस बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब परमाणु हमले से देगा। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन सरकार द्वारा जिस तरह से यूक्रेन को लम्बी दूरी की मिसाइलें दागने की अनुमति देकर आग में घी डालने का काम किया है, उसके परिणामस्वरूप ही पुतिन ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी रूस पर लम्बी दूरी की मिसाइलें दाग कर लक्ष्मण रेखा लांघ दी है जिसकी वजह से यूरोपीय देश तनाव में आ गए हैं। रूस में तो परमाणु निरोधक बंकर बनाने का काम शुरू हो गया है। वहीं नार्वे, फिनलैंड, डेनमार्क में लोग खाना और बाकी जरूरी सामान इकट्ठा करने लग गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की नई परमाणु नीति से तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराने लगा है। यह भी स्पष्ट है कि अमेरिका की बाइडेन सरकार जाते-जाते युद्ध को भड़काना चाहती है। ब्लादिमीर पुतिन पहले ही साफ कर चुके हैं कि रूस के खिलाफ अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल मतलब रूस और नाटो का युद्ध होगा। रूस पर कोई भी बड़ा हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। मूल प्रश्न यह है कि क्या पुतिन की घोषणाएं युद्ध क्षेत्र की रणनीति में बदलाव है या महज खोखली धमकियां हैं। क्या रूस के पास लाल रेखाएं हैं? अगर हैं तो लाल रेखाएं कहां हैं? और यदि उन लाल रेखाओं को पार किया जाता है तो क्या इसका अर्थ यही होगा कि इससे स्वतः ही परमाणु उपयोग शुरू हो जाएगा। ब्लादिमीर पुतिन के दिमाग में क्या चल रहा है, इसकी भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। उथल-पुथल वाली दुनिया में पुतिन कब कोई फैसला ले लें, कुछ कहा नहीं जा सकता।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

प्रहलाद सबनानी

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है।

> आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा।

दूसरे, सामान्यतः देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं। आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है।

दूसरे, बेरोजगारी से आशय ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं। आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल ही के समय में विश्व के अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रीयां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लम्बा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक - लुई नील

संजय गोस्वामी

लुई नील का जन्म 22 नवंबर 1904 को ल्योन में हुआ था। 1931 में उन्होंने हेलेन हॉवर्थिक से शादी की; उनके तीन बच्चे थे, मैरी फ्रांकोइस, कॉन्सिल डीएटैट में अटैची डीएडमिनिस्ट्रेशन, मार्गुएराइट, गुइली, प्रोफेसर एग्लीज़ डीहिस्टोइरे और पियरे, जिनकी शादी एक टेलीविजन निर्माता से हुई थी। लुई नील ने 1924-1928 तक पेरिस में इकोले नॉर्मले सुप्रीयर में अध्ययन किया, जहां उन्हें 1928 में व्याख्याता नियुक्त किया गया। 1932 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्हें विज्ञान संकाय में प्रोफेसर नियुक्त किया गया, इस पद पर वे 1937-1945 तक रहे। वह 1945 से ग्रेनोबल में प्रोफेसर थे। 1946 में वे इलेक्ट्रोस्टैटिक्स और धातु भौतिकी प्रयोगशाला (सेंटर नेशनल डे ला रिसर्च साइंटिफ़िक) के निदेशक बने। 1954 से 1970 तक वह इंस्टीट्यूट पॉलिटेक्निक डी ग्रेनोबल और इकोले फ्रांसेइस डी पैपेटेरी के निदेशक थे; 1970 में उन्हें ग्रेनोबल में इंस्टीट्यूट नेशनल पॉलिटेक्निक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। लुई नील ने चुंबकत्व पर अपना पहला शोध कार्य 1928 और 1939 के बीच स्ट्रासबर्ग में प्रोफेसर वीस की प्रयोगशाला में शुरू किया। 1939 में युद्ध सेवा के लिए बुलाए जाने पर, उन्होंने फ्रांसीसी बेड़े में जहाजों को जर्मन चुंबकीय खदानों से बचाने के लिए काम किया और सुरक्षा की एक प्रभावी नई विधि, न्यूट्रलाइजेशन का आविष्कार किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत में जर्मनों द्वारा तटीय जल में गिराया गया पहला मॉडल था। यह वही वास्तविक उपकरण था जो नवंबर 1939 में टेम्स के मुहाने पर कीचड़ के मैदान पर उतरा था और जिसने नील को 1928 में अपना काम शुरू करने के लिए आवश्यक सुराग प्रदान किया था, हाइजेनबर्ग ने चुंबकों के बीच संबंध दिखाया था। ये क्षण इलेक्ट्रॉनों के बीच आदान-प्रदान का परिणाम थे। चुंबकत्व के अध्ययन से आकर्षित होकर, 1928 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग में पियरे वीस के साथ काम किया। सहायक पद का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। नील की डॉक्टरेट थीसिस में पहले से ही कुछ धातुओं के निरंतर अनुचुंबकत्व को समझाने के लिए उनके गुरु के लौहचुंबकत्व के आणविक क्षेत्र सिद्धांत का विस्तार करने का विचार शामिल था, जिनके चुंबकीय गुण तापमान से लगभग स्वतंत्र थे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

सीओपी-29 - करीब 200 देश के हजारों प्रतिनिधियों द्वारा जलवायु संकट से निपटनें ज़रूरी प्रयासों पर चर्चा

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अज़रबैजान की राजधानी बाकू में 12 दिवसीय जलवायु सम्मेलन जारी है।11 नवंबर 2024 से शुरू हुए इस सम्मेलन में करीब 200 देशों के हजारों प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।बैठक में जलवायु संकट से निपटने के लिए जरूरी प्रयासों पर चर्चा की जा रही है। इस दौरान भारत ने भी क्लाइमेट चेंज से दुनियाँ कोबचाने के लिए अपना प्लान सामने रखाहै। भारत ने विकसित देशों से अपना वादा पूरा करने को कहा है,कि पेरिस समझौते के मुताबिक विकसित देशों को विकासशील देशों के लिए क्लाइमेट फाइनेंस जुटाना चाहिए, इसमें किसी भी तरह का बदलाव नहीं होना चाहिए। विकसित देशों को 2030 तक हर साल कम से कम 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर विकासशील देशों को देने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। भारत ने कहा है कि जिस नए जलवायु वित्त (क्लाइमेट फाइनेंस) पैकेज पर बातचीत की जा रही है,उसे निवेश लक्ष्य नहीं बनाया जा सकता सीओपी 29 में क्लाइमेट फाइनेंस पर समान विचारधारा वाले विकासशील देशों की ओर से बोलते हुए भारत ने इस बात पर जोर दिया कि विकासशील देशों को गर्म होती दुनियाँ से निपटने के लिए दिया जाने वाला ग्रांट, रियायती और नॉन-डेब्ट (बिना कर्ज) सहायता के जरिए मिलना चाहिए।नया क्लाइमेट फाइनेंस पैकेज या नया सामूहिक परिमाणित लक्ष्य इस साल कॉप 29 के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता और विकासशील देशों की उभरती प्राथमिकताओं के अनुसार होना चाहिए, साथ ही यह उन प्रतिबंधात्मक शर्तों से मुक्त होना चाहिए जो डेवलपिंग नेशंस के विकास में बाधा डाल सकती हैं।यह समर्थन ब्राजील के बेलेम में कॉप 30 की ओर बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है, जहां सभी पक्ष जलवायु संकट से निपटने के लिए अपनी राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं और योगदान का ब्यौरा पेश करें,भारत ने एनसीक्यूओ को निवेश लक्ष्य में बदलने का विरोध करते हुए कहा कि पेरिस समझौते में यह साफ है कि विकसित देश ही क्लाइमेट फाइनेंस जुटाएंगे, ऐसे में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन और उसके पेरिस समझौते के आदेश के बाहर किसी भी नए लक्ष्य को शामिल किया

जाना अस्वीकार्य है।हमें पेरिस समझौते और इसके प्रावधानों पर फिर से बातचीत करने की कोई गुंजाइश नहीं दिखती,दरअसल भारत समेत तमाम विकासशील देशों का तर्क है कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन और पेरिस समझौते के तहत, विकसित देशों की जिम्मेदारी है कि वे उनके लिए क्लाइमेट फाइनेंस जुटाएं, लेकिन अब विकसित देश एक वैश्विक निवेश लक्ष्य के लिए जोर दे रहे हैं. जो सरकारों, निजी कंपनियों और निवेशकों सहित विभिन्न स्त्रोतों से फंड जुटाएगा!संकट से फायदा उठाने में जुटे अमीर देश?इस मामले में क्लाइमेट एक्टिविस्ट का कहना है कि क्लाइमेट फाइनेंस को निवेश लक्ष्य में बदलना उन लोगों के साथ धोखा है जो क्लाइमेट चेंज के चलते संकट का सामना कर रहे हैं उन्होंने कहा कि भारत समेत तमाम विकासशील देशों के लिए यह साफ है कि उन्हें ग्रांट और नॉन डेब्ट के जरिए यह फंड दिए जाने की आवश्यकता है न कि ऐसी निवेश योजनाओं की, जो अमीर देशों को इस संकट से फायदा उठाने दें, जिसे बनाने में उनकी बड़ी भूमिका रही है,इससे कम कुछ भी दोहरा अन्याय है।चूँकि कॉप-29 में करीब 200 देशों के हजारों प्रतिनिधियों द्वारा जलवायु परिवर्तन संकट से निपटनें ज़रूरी प्रयासों पर चर्चा हो रही है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,जलवायु परिवर्तन की मौसम संबंधी चरम घटनाएं आघात चिंता व तनाव का कारण बनकर युवाओं के दिमाग पर असर की चिंता करना वाज़बी है।

साथियों बात अगर हम विशेषज्ञों द्वारा एक नए दावे की करें तो, शिखर सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने एक नया दावा करके दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार तेजी से हो रहा जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। अजरबैजान में विभिन्न देशों के सरकारी प्रतिनिधि एकत्र हुए हैं, जिसमें युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के पड़ने वाले असर को तत्काल प्राथमिकता दिए जाने की मांग की जा रही है।विशेषकर बच्चों और किशोरों के साथ काम करने वाले मनोचिकित्सकों बेहद चिंतित हैं। उनका कहना है कि हम उच्च तापमान और आत्मघाती विचारों तथा व्यवहारों के बीच संबंध पर अपने शोध को शिखर सम्मेलन में साझा कर रहेहैं।हमारेहालिया अध्ययन से पता चलता है कि गर्म मौसम में आत्महत्या के विचार और व्यवहार के कारण युवाओं के आपातकालीन विभाग में आने की आशंका अधिक होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य खराब होता जा रहा है।जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की दिशा में अपर्याप्त कार्रवाई के कारण यह समस्या बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन पहले से ही युवाओं केमानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है। मौसम संबंधी चरम घटनाएं - जैसे कि 2019 में ऑस्ट्रेलिया की विनाशकारी जंगलों की आग की घटनाएं और उसके बाद तूफान और बाढ़ - इन घटनाओं ने बच्चों की स्कूली शिक्षा को बाधित किया है, विस्थापन के लिए मजबूर किया तथा ऐसी घटनाएं आघात, चिंता और तनाव का कारण बनती हैं।गर्म मौसम के साथ युवाओं में आत्मघाती व्यवहार का जोखिम बढ़ जाता है।औसत तापमान में मामूली वृद्धि का मतलब हर साल गर्म दिनों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।जलवायु परिवर्तन के बारे में चिंता युवा लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8195

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10	■		■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8194 का हल

फ	न	का	र	■	ग	ज	रा	■
ला	त	■	वै	■	ज	■	ह	क
हा	■	या	या	व	र	■	■	ल
र	स	द	■	ध	■	प	ला	श
■	■	गा	ल	■	जी	त	■	■
क	हा	र	■	आ	■	झ	र	ना
हा	■	■	ग	ठ	जो	ड़	■	म
नी	र	■	म	■	क	■	ना	व
■	ब	द	न	■	र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6980

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6979 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

न्यूज इन शॉर्ट

एकलव्य विद्यालय अनूपपुर में मनाया गया विश्व बाल अधिकार सप्ताह

अनूपपुर। 20 नवम्बर को अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में विश्व बाल अधिकार सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते, सहायक संचालक मंजूषा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के विधि सह परिवीक्षा अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के प्राचार्य श्री मुलायम सिंह परिहार, विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को चाईल्ड हेल्प लाईन, महिला हेल्प लाईन, गुड टच-बैड टच, बाल अधिकार संबंधित कानूनों, जीवन अस्तित्व और विकास का अधिकार, जन्म से ही पहचान और राष्ट्रीयता का अधिकार, पोषण, आश्रय, स्वास्थ्य देखभाल सहित पर्याप्त जीवन स्तर का अधिकार, दुर्व्यवहार, हानि, उपेक्षा, शारीरिक/मानसिक हिंसा से सुरक्षित रहने का अधिकार, जाति, लिंग, भाषा, धर्म, समुदाय से परे समान व्यवहार का अधिकार पर विस्तृत जानकारी दी गई।

एस.ई.सी.एल. के इंजीनियरिंग असिस्टेंट एवं कार्यालय अधीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी – संजय कुमार सिंह

आरोपी – व्ही.श्रीनिवास

अनूपपुर। प्रार्थी अंकित मिश्रा, निवासी-आमाखेरवा रोड, मनेन्द्रगढ़ द्वारा एन्टी करप्शन ब्यूरो, अंबिकापुर में शिकायत की गई थी कि वह एस.ई.सी.एल. में ठेकेदारी का कार्य करता है। उसे जी.एम. कार्यालय (एस.ई.सी.एल.) चिरमिरी, जिला एम.सी.बी. द्वारा जारी निर्माण कार्य का टेण्डर प्राप्त हुआ था। लगभग दो माह बीत जाने के बाद भी वर्कआर्डर जारी नहीं होने पर संजय कुमार सिंह, इंजीनियरिंग असिस्टेंट (ओवर-सीयर) जी.एम. कार्यालय (एस.ई.सी.एल.) चिरमिरी से मुलाकात करने पर उसके द्वारा 11,000 रूपये की रिश्वत की मांग की गई। प्रार्थी रिश्वत नहीं देना चाहता था बल्कि आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था। शिकायत सत्यापन दौरान आरोपी संजय कुमार सिंह द्वारा 7,000 रूपये स्वयं को देने तथा 4,000 रूपये व्ही. श्रीनिवास, कार्यालय अधीक्षक को देने की बात कही गई। सत्यापन पश्चात् आज दिनांक 21.11. 2024 को ट्रैप आयोजित कर आरोपी संजय कुमार सिंह को प्रार्थी से 7,000 रूपये एवं उसके सहयोगी व्ही. श्रीनिवास को 4,000 रु0 रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर उनके निवास स्थानों की तलाशी भी ली जा रही है। प्रकरण में आरोपियों के विरुद्ध धारा 7 एवं 12 पीसी एक्ट 1988 के प्रावधानों के तहत् अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

उपचार हेतु कलेक्टर ने 35 हजार रुपये के आर्थिक सहायता के आहरण की दी मंजूरी

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के ग्राम छिल्पा निवासी श्री राजकुमार साहू को उपचार हेतु मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान मद से स्वीकृत 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के आहरण एवं संवितरण की मंजूरी प्रदान की है।

राजस्व महा अभियान 3.0 के तहत नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्तगी की जा रही कार्यवाही

उमरिया । राजस्व महा-अभियान के प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण की सफलता को देखते हुए, मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने हेतु राजस्व महा-अभियान 3.0 का आयोजन 15 नवंबर 2024 से किया जा रहा है जो 15 दिसंबर 2024 तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों (आरसीएमएस) में लम्बित प्रकरणों (नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन) का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन, आधार का आरओआर से लिंकिंग, परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन है।अभियान के तहत नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तगी, परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, सीमांकन, नक्शों में बटांकन की कार्यवाही की जाएगी । अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि राजस्व महा अभियान 3.0 के तहत नामांतरण 640 प्रकरणों के लक्ष्य के विरूध्द 97 प्रकरणों का निराकरण किया गया है । बंटवारे के 48 प्रकरणों के विरूध्द एक प्रकरण का निराकरण किया गया है । सीमांकन के 678 प्रकरणों के विरूध्द 26 प्रकरणों का निराकरण किया गया है । नए राजस्व प्रकरणों में 149 प्रकरण दर्ज किए गए है जिसमें 6 प्रकरणों का निराकरण किया गया है । अभिलेख दुरूस्तगी के 23 प्रकरणों के विरूध्द दो प्रकरणों का निराकरण किया गया है। परंपरागत रास्तों के चिन्हांकन हेतु एक प्रकरण मानपुर में दर्ज हुआ है । नक्शों के बटांकन में 372805 प्रकरणों के विरूध्द 272 प्रकरणों का निराकरण किया गया है ।

पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक संयुक्त रूप से कार्य संपादित कर लोगों को दिलाएं योजनाओं का लाभ

शिविर में प्राप्त आवेदनों का निदान तत्परता से कराएं अधिकारी-कलेक्टर

ग्राम पंचायत सकरा में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

विजय मत, अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि जन समस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदन एवं समस्याओं का निदान अधिकारी तत्परता के साथ कराएं। शिविर में प्राप्त होने वाले समस्याओं को रजिस्टर में संधारित करें तथा शासन के मंशानुसार योजना के सिचुरेशन पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन के प्रत्येक योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिले, इस दिशा में पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक संयुक्त रूप से कार्य करें तथा पात्र हितग्राहियों को केन्द्र एवं राज्य शासन की जन कल्याणकारी एवं हितकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। शिविर में आए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे गंभीरता के साथ करें तथा समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर कराएं। कलेक्टर हर्षल पंचोली आज अनूपपुर जिले के ग्राम पंचायत सकरा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर को संबोधित कर रहे थे।

कलेक्टर ने सभी पटवारी को संबोधित करते हुए निर्देश दिए कि शासन द्वारा राजस्व महा अभियान 3.0 के अंतर्गत नामांतरण के प्रकरण डोर टू डोर भ्रमण कर प्राप्त करें तथा अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गई है, उसका चिन्हांकन कर प्रकरण दर्ज करें एवं रिकॉर्ड में अमल करते हुए बंटवारा प्रकरण का निराकरण कराएं। इसी प्रकार अभियान के अंतर्गत बंटवारा, नक्शा तरमीम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र हितग्राहियों के नए आवेदन, जाति प्रमाण पत्र के प्रकरण, आधार लिंकिंग इत्यादि के प्रकरण डोर टू डोर भ्रमण कर प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी अपने कार्य में गंभीरता लाएं एवं राजस्व महा अभियान में बेहतर कार्य करें।

कलेक्टर ने सचिव एवं रोजगार सहायक को संबोधित करते हुए निर्देश दिए हैं कि शासन के मंशा के अनुरूप पेंशन के पात्र हितग्राही विधवा महिला, निःशक्तजन तथा बुजुर्गों को चिन्हित कर लाभ दिलाएं। राशन के छूटे हुए हितग्राही जो पात्रता रखते हैं, उनका नाम भी राशन पात्रता पर्ची में जोड़ा जाए। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायत में राशन हितग्राहियों को सुचारू रूप से राशन वितरण हो इसकी भी निगरानी रखें। इसी प्रकार पटवारी, सचिव एवं रोजगार सहायक स्कूल में वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन, आंगनवाड़ी में सांझा चूल्हा, छात्रावास, ग्राम पंचायत सहित ग्राम प्रमुख शासकीय संस्थाओं का भी निगरानी रखें जिससे नागरिक एवं बच्चों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मुहैया हो सके। कार्यक्रम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने भी संबोधित किया।

जिले के ग्राम सकरा में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में कलेक्टर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने शिविर में ग्राम पंचायत सकरा सहित ग्राम पंचायत खम्हरिया, मेड़ियारास, परसवार, औढ़ेरा, जमुड़ी, लखनपुर, ताराडांड़ के ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त करते हुए समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने शिविर के दौरान ग्राम पंचायतवार योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा मैदानी अमले से करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शिविर में 267 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों के निराकरण हेतु समय सीमा निर्धारित करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा में आवेदनों के निराकरण संबंधी निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने शिविर से संबद्ध ग्रामों के लंबित राजस्व प्रकरण की समीक्षा करते हुए राजस्व अमले को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में पशुपालन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, विद्युत विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए थे। जिनके माध्यम से ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का मौके पर आयोजन किया गया, जहां लगभग 40 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई।शिविर में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया, तहसीलदार अनुपम पांडेय सहित विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खड़े ट्रक में पीछे से टकरायी मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की स्थल पर दर्दनाक मौत

विजय मत, अनूपपुर।

कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत अनूपपुर-चचाई-शहडोल मुख्य मार्ग के मध्य परसवार गांव में बुधवार की देर रात चचाई की ओर से आ रहे मोटरसाइकिल सवार तीन युवको की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर मुख्य मार्ग के किनारे नो एंट्री होने पर खड़े एक हाईवा ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी जिससे मोटरसाइकिल में सवार 29 वर्षीय संकेत सोंधिया पिता मुन्नालाल सोंधिया नि,वार्ड नंबर 2 पटोला टोला अनूपपुर,24 वर्षीय प्रीतम कहार पिता स्व,शोभा कहार वार्ड नंबर 4 अनूपपुर एवं 45 वर्षीय विष्णु यादव पिता छिल्लू यादव 45 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 चंदासटोला अनूपपुर की स्थल पर ही गंभीर छोटे लगने पर मौत हो गई,घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर तीनों मृतकों के शवो का परीक्षण करते हुए शवो को शव वाहन से जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा जहां गुरुवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में मृतकों के शवो का पंचनामा एवं पी,एम,की कार्रवाही अस्पताल पुलिस द्वारा करते हुए मृतको के अंतिम संस्कार हेतु शवों को परिजनों को सौपा गया इस दौरान पुलिस ने हाईवा ट्रक क्रमांक एमपी 65 एच 0577 को जप्त कर चालक के

विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज किया है किसी भी तरह के लाईन ऑर्डर उत्पन्न होने की स्थिति की संभावना को देखते हुए देर रात से जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भारी मात्रा में पुलिस तैनात की गई,बताया जाता है कि तीनों युवक किसी काम से बुढार जा कर वापस अनूपपुर मोटरसाइकिल से आ रहे थे।

मारपीट करने पर मामला कायम

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत दासू बैगा के घर के सामने रोड ग्राम समरकोईनी में आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई । जानकारी अनुसार सुनीता बैगा पति दासू बैगा उम्र 38 साल निवासी ग्राम समकोइनी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अरूण सिह निवासी समरकोईनी पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

सडक हादसे में महिला की मौत

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम खोधला जिला अंबिकापुर की एक्सीडेंट से आई चोट के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी अनुसार मृतक महिला का नाम जानकी बाई पति रूदन सिंह उम्र 59 साल निवासी ग्राम खोधला जिला अंबिकापुर सरगुजा छग है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

पेट्रोल पंप में लूट करने वाले चार आरोपियों को 7 वर्ष जेल

10-10 हजार रू.अर्थदण्ड की सजा

विजय मत, अनूपपुर।

प्रथम अपर सत्र नयायाधीश अनूपपुर पंकज जायसवाल की न्यायालय ने थाना कोतवाली अनूपपुर के अपराध की धारा 394, 34 भादवि में आरोपी राजू उर्फ भैया यादव, पिन्टू यादव, बेटू यादव एवं अनिल यादव को 07-07 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10-10 हजार रू. के अर्थदण्ड की सजा सुनाई हैं। न्यायालय ने अर्थदण्ड की राशि पीडित को क्षतिपूर्ति के रूप में दिये जाने का आदेश दिया। पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा की गई।

लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि 25 मार्च 2022 को कोतवाली अनूपपुर में अस्पताली तहरीर प्राप्त होने पर जांच हेतु अस्पताल में आहत प्रकाश यादव का कथन में बताया कि वह शहडोल-कोतमा हाईवे रोड पर मॉ विरासनी पेट्रोल पम्प पर नोजल मैन के पद पर कार्य करता है। 24 मार्च 2022 की रात दो बाईक में सवार चार व्यक्ति पेट्रोल पंप पर आये, जिसमें एक व्यक्ति भैया यादव ग्राम हरदी का था, चारों व्यक्ति उसे बोले कि दोनों मोटर सायकल में पेट्रोल फुल कर दो, तब उसने दोनों मोटर सायकल में करीब 20 लीटर पेट्रोल भरने क बाद पेट्रोल का पैसा मांगने पर चारों व्यक्ति उसे बोले कि जितना पैसा तुम्हारे जेब में हो, निकाल दो, उसके

द्वारा पैसा नहीं निकालने पर एक व्यक्ति ने कट्टा निकालकर उसके गले में सामने लगा दिया तथा दूसरा व्यक्ति चाकू से उसके बांए पैर के जांच पर पीछे दो-तीन बार मारने पर उसके द्वारा बचाव करने का प्रयास किया गया लेकिन एक चाकू उसके बाएं जांघ पर लगने से खून बहने लगा। आरोपी उसके जेब में रखे 15000/- रू. लूट लिये और कट्टे से फायर करके भाग गये। फिर उसने पम्प मालिक को फोन से जानकारी दी। अस्पताल की सूचना पर प्रथम दृष्टया धारा 394, 34 का अपराध घटित पाये जाने पर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लेकर आरोपियों को गिरफ्तार कर अनुसंधान पूर्ण होने पर अभियोग-पत्र न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां विचारण उपरान्ता न्यायालय द्वारा आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

श्री राम कथा

श्री राम कथा का गायन करते हुए तृतीय दिन पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए

हर किसी को 10 वर्ष का समय अपने को संभालने के लिए मिलता है

विजय मत, अनूपपुर।

संतो का वचन है कि हर किसी के जीवन में 10 वर्ष की विशेष दशा आती है। इन दस वर्षों में अगर आप सत्य के आश्रय में चाहे तो अपना जीवन सुधार सकते हैं और चाहें तो असत्य के आश्रम में जाकर अपना जीवन बिगाड़ सकते हैं।

उक्त बातें अनूपपुर (मध्य प्रदेश) के अमरकंटक रोड स्थित कथा पंडाल में श्री राम कथा का गायन करते हुए तृतीय दिन पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं।

सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त प्रेममूर्ति पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने श्री राम सेवा समिति के पावन संकल्प से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा गायन के क्रम प्रभु श्रीराम के प्राकट्य का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भगवान में विश्वास रखने वाले सत्य के आश्रय में अपनी दशा को 10 वर्ष में संभाल कर पूरा जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करते हैं। सत्य के अन्वेषण में लगा व्यक्ति सत्य की ओर बढ़ता बढ़ता चला जाता है और झूठ उससे दूर चला जाता है। यह प्रमाणित है कि असत्य (झूठ) का कोई अस्तित्व नहीं होता है। थोड़े से लाभ के लिए भी असत्य का आश्रय लेने वाले को गड्ढे में पहुंचना ही होता है।महाराज श्री ने कहा कि संसार में भगवान कुछ भी नहीं करते हैं । प्रकृति की व्यवस्था ही सब कुछ करती है। हमारे चित्त की गति जैसी होती है हमारी मैत्री भी वैसे ही लोगों से होती है। सत्संगी को सत्संगी का संगत अच्छा लगता है और कुसंगी को अपने जैसे लोगों का ही साथ अच्छा लगता है। अगर भगवान की ओर बढ़ना है तो पहले उनको मानना आवश्यक है। भगवान को मानने वाला ही भगवान को जान पाता है। मानना स्वयं पड़ता है , कोई हमें समझा नहीं सकता है , मनवा नहीं सकता है।

पूज्य श्री ने कहा कि भगवान से हमें यह प्रार्थना करना चाहिए कि परिवार में थोड़ी कमी बने रहे

जिससे हमें आपकी याद आती रहेगी। यह सत्य है कि भगवान राम सर्व समर्थ हैं लेकिन आज के युग में यह सोचना कि सब राम जी ही कर देंगे, पूरी तरह से गलत है। प्रयास और परिश्रम तो स्वयं ही करना पड़ता है

पूज्य श्री ने कहा कि अखाद्य पदार्थ और मदिरा दोनों मनुष्य को पाप के मार्ग पर ले जाते हैं। ऐसे लाखों उदाहरण भरे पड़े हैं कि जिन सनातन परिवारों में मांस और मदिरा का सेवन शुरू हुआ उनके कुल में केवल उत्पाती लोगों का ही आगमन हुआ।

सनातन परिवार के लोगों से मेरी करबद्ध प्रार्थना है कि इन अखाद्य वस्तुओं से अपने परिवार को बचाने के लिए संकल्पित हों। जिसके जीवन में जितना अधिक सदाचार होगा, उसकी परमात्मा के चरणों में उतनी ही प्रीति होगी। अपने जीवन का, अपने आय का दसवां भाग परमार्थ में लगाने वाले का न केवल यह जन्म सुधार जाता है बल्कि आने वाला जन्म भी सुंदर होता है।

पूज्य श्री ने कहा कि अपना भविष्य नहीं जानने में ही मनुष्य की भलाई है। मनुष्य के जीवन में सुख और दुख दोनों का ही आना-जाना लगा रहता है। ईश्वर की बनाई हुई व्यवस्था में यह एक बहुत ही अच्छी बात है कि मनुष्य अपने आने वाले कल के बारे में नहीं जानता है। यदि उसे अपने कल के बारे में आज ही पता चल जाए तो वह सर्वदा दुखी ही रहेगा।

इस संसार में कुछ भी अनिश्चित नहीं है। सब कुछ निश्चित है। भगवान की व्यवस्था है और वह संसार की भलाई के लिए ही है। धरती पर आने वाले मनुष्य का जाना भी तय है। और फिर नए स्वरूप में आना भी तय है। शरीर छोड़ने के बाद जीवात्मा को 12 दिनों में अपने स्वरूप की प्राप्ति हो जाती है, ऐसा गरुड़ पुराण में कहा गया है।

महाराज जी ने कहा कि भगवान के बनाये हुए संसार में घटनाओं का घटित होना एक निर्धारित और निश्चित सत्य है। हर मनुष्य अपने चित्त की स्थिति के अनुसार उन घटनाओं को स्वीकार करता है। हर व्यक्ति के चित्त की स्थिति सामान नहीं होती है। मनुष्य के आहार विहार और व्यवहार ही उसके मां को नियंत्रित करते हैं और उसी के अनुसार चित्त की गति भी होती है।हम जिस युग में जी रहे हैं वहां हर मनुष्य विकारों से दूर नहीं रह पाता है। कामनाओं के मैल मन में तरह-तरह के विकार पैदा करते रहते हैं और इससे मनुष्य का जीवन कष्टमय हो जाता है।

अगर हम सहज रहना चाहते हैं और सहज जीना चाहते हैं तो हमारे पास इस कलियुग के मल को काटने और धोने का एकमात्र साधन है श्री राम कथा। काम, क्रोध,लोभ, मद और मत्सर आदि विकार कलिमल कहे जाते हैं। इससे बचने का एकमात्र सहज साधन श्री राम कथा ही है। मानस जी में लिखा है इस कथा को जो सुनेगा, कहेगा और गाएगा वह सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करते हुए अंत में प्रभु श्री राम के धाम को भी जा सकता है।पूज्यश्री ने कहा कि जब मन पर कलिमल का प्रभाव हो तो चाह कर भी मनुष्य सत्कर्म के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता है। मनुष्य का मन और उसके बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कम करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है। सत्कर्मों से जिसने भी अपने प्रारब्ध को बेहतर बना रखा है, इस जन्म में भी सत्कर्मों में उसी की गति बन पाती है । अन्यथा बार-बार विचार करने के बाद भी हम उस पथ पर अपने को आगे नहीं ले जा पाते हैं।

जीवन में सुख और शांति की अपेक्षा है तो घर में सत्संग का वातावरण बनाया जाय। घर में सत्संग का वातावरण होगा तो अगली पीढ़ी के बच्चों में वह अवतरित होगा। बच्चे कुसंगति को बहुत जल्दी अंगीकार करते हैं। अगर उन्हें कल कुसंगति से बचाना है तो उन्हें निरंतर सत्संग में गति करानी होगी।

भारत की भूमि देवभूमि है धर्म की भूमि है यहां धर्म का पालन करने वाले ही सदा सुखी रहते हैं और अधर्म पथ पर चलने वाले लोगों को दुख भोगने पड़ते हैं। पूज्य महाराज जी ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन में अपनी संपत्ति का उत्तराधिकारी तो तय कर देता है, लेकिन उसने जो परमार्थ कार्य किया है, उसे भी आगे बढ़ाने की कोई व्यवस्था नहीं सोचता है।

महाराज श्री ने कहा कि भगवान की जीव भाव से सेवा करें। उन्हें छोटी सी कटोरी में भोग नहीं लगाएं। इसमें हमारी श्रद्धा का दर्शन होता है। कई लोगों को सांसारिक सामग्री पर तो भरोसा होता लेकिन लोग भगवान पर भरोसा नहीं करते। भगवान के भक्त को कोई कष्ट नहीं होता, बस वह भगवान पर भरोसा रखे और स्मरण करते रहे। लोग चाहते हैं कि भगवान मेरा बन जाएं लेकिन उलझे हुए हैं जगत के संबंधों को साधने में। सांसारिक ऐश्वर्य यहीं रह जाने वाला है साथ केवल भजन, सत्कर्म, यज्ञ एवं पुण्य ही जाएंगे और कुछ साथ नहीं जाने वाला।

हमारी संस्कृति धर्म पर आधारित है जैसे तैसे नहीं चलती है। धर्म और परंपराओं का सब विधि से पालन होना चाहिए और तभी समाज का कल्याण संभव है। महाराजश्री ने कहा कि मनुष्य अपने परिवार के लोगों के लिए ही जीवन में गलत कार्य करता है धन उपार्जन करने के लिए। लेकिन उसे यह सोचने की आवश्यकता होती है कि कोई दूसरा इसके फल में उसका साथ देने वाला नहीं है फल तो उसको स्वयं अकेले ही खाना पड़ता है।

बेईमानी का संग्रह टिकता नहीं है और ना ही उससे जीवन में कोई सुखी हो पाता है। अगर मनुष्य को जीवन में सुख चाहिए तो वह उसे सिर्फ अपने सत्कर्म से ही प्राप्त हो सकता है अपने परिश्रम से अर्जित धन से जो व्यक्ति अपना जीवन व्यतीत करता है वही सुखी रह पाता है।महाराज श्री ने कई सुमधुर भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित रामकथा के प्रेमी, भजनों का आनन्द लेते हुए झूमते नजर आए। इस आयोजन से जुड़ी समिति के सदस्यों ने व्यास पीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी।

न्यूज इन शॉर्ट

100वां तानसेन समारोहः 'सिटी ऑफ म्यूजिक' ग्वालियर में 15 दिसंबर से

भोपाल। ग्वालियर में एक दौर ऐसा भी रहा है कि जब गोपाचल पर्वत से पत्थर लुढ़कते हुए नीचे की ओर आते थे, तो उनमें भी संगीत की खनक सुनाई देती थी। सदियों पुरानी शास्त्रीय संगीत परंपरा की धरोहर रहा यह शहर इस वर्ष तानसेन समारोह के शताब्दी वर्ष के उत्सव में सराबोर रहेगा। यूनेस्को द्वारा 'सिटी ऑफ म्यूजिक' के रूप में घोषित ग्वालियर में 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक संगीत सम्राट तानसेन की स्मृति में तानसेन समारोह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 दिसंबर को ग्वालियर में तानसेन समारोह का शुभारंभ करेंगे। उल्लेखनीय है कि तानसेन समारोह ग्वालियर के पास ही बसे बेहट गांव में आयोजित किया जाता है। बेहट गांव संगीत सम्राट तानसेन का जन्म स्थान है। सदियों से बह रही झिलमिल नदी के किनारे होने वाला यह समारोह शास्त्रीय संगीत की मधुर तान, पक्षियों का मधुर मंद कलरव और नदी में बहते पानी की आवाज का मधुर रस एक अनूठी अध्यात्मिक अनुभूति का अहसास कराता है। शताब्दी वर्ष के मुख्य समारोह में देश के 150 ख्यातिलब्ध कलाकार अपनी सांगितिक प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा विश्व संगीत कार्यक्रम अंतर्गत 10 विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। साथ ही 550 से अधिक दुर्लभ वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन एक प्रमुख आकर्षण होगा, यह प्रदर्शनी तानसेन समाधि परिसर में लगाई जाएगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर आज सफाई मित्रों को सहायक उपकरण सौंपेंगे

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 22 नवम्बर को ग्वालियर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। तोमर इस दिन प्रातः 10 बजे कांचमिल कम्युनिटी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम के सफाई मित्रों को सहायक उपकरण व सामग्री का वितरण करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे शहर के वार्ड-4 में स्थित विक्टर स्कूल के सामने वाली गली मेवाती मोहल्ला में लगभग 12 लाख रूपए से अधिक लागत की सीसी रोड़ का भूमि-पूजन करेंगे।

भारतीय वन सेवा के दो अधिकारी स्थानांतरित

भोपाल। राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा के दो अधिकारियों को प्रशासकीय हित में स्थानांतरित किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) व्ही.एन. अम्बाडे मुख्यालय भोपाल को प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य वन विकास निगम, भोपाल (प्रतिनियुक्ति पर) और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वित्त एवं बजट) शुभरंजन सेन को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) मुख्यालय, भोपाल स्थानांतरित किया गया है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी में उर्दू पाण्डुलिपियां 10 दिसम्बर तक आमंत्रित

भोपाल। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद के द्वारा वर्ष 2024-25 उर्दू पाण्डुलिपियों के प्रकाशन एवं प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता देने के लिये मध्यप्रदेश के साहित्यकारों एवं शायरों से अपनी उर्दू पाण्डुलिपी 10 दिसम्बर 2024 तक मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा रोड भोपाल में आमंत्रित की गई है। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद के निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि पाण्डुलिपी के साथ मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण-पत्र भी संलग्न करना अनिवार्य है। पुस्तक प्रकाशन एवं प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता देने के लिये कमेटी निर्णय अंतिम होगा।

राज्य स्तरीय कौशल प्रदर्शनी का आयोजन आज

भोपाल। समग्र शिक्षा अभियान (सेकेण्ड्री एजुकेशन) द्वारा स्टार्स परियोजना अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रदर्शनी का आयोजन राजधानी भोपाल के शिवाजी नगर स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ 22 नवम्बर शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह करेंगे। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 2383 विद्यालयों में प्रति विद्यालय 2 ट्रेड की नवीन व्यावसायिक शिक्षा दी जा रहीं है। इसमें 14 ट्रेड जैसे आईटी-आईटी.ई.एस., प्राइवेट सिक्योरिटी, एग्रीकल्चर, अपैरल, बैंकिंग एण्ड फाइनेंस सर्विसेज, रिटेल, हेल्थ केयर, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड हार्डवेयर, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, प्लंबिंग, ऑटोमेटिव, टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटिलिटी, फिजिकल एजुकेशन एवं मीडिया एण्ड एन्टरटेनमेंट आदि में 30 जॉबरोल का शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

मप्र की पहली मेडिसिटी बनेगा उज्जैन, सीएम ने रखी आधारशिला

55 वर्षों में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, हमने 12 मेडिकल कॉलेज की सौगात दी

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की पहली मेडिसिटी चिकित्सा महाविद्यालय का जिला चिकित्सालय परिसर में स्वस्तिवाचन और शंखनाद की ध्वनि के साथ शुभमुहूर्त में भूमिपूजन किया। वह दिन अब जा चुके हैं जब हमें अच्छी से अच्छी चिकित्सा व्यवस्था के लिए बड़े शहरों का रूप करना पड़ता था। अगर कहीं मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था भी होती तो यहां के विभाग कुछ ऐसे होते थे कि उपचार करवाने के लिए ही हमें एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग पर भटकना पड़ता था, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश की पहली मेडिसिटी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय पर किसी को भी सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

13 मंजिल से भी अधिक बनाई जाने वाली इस बिल्डिंग में सभी फैकल्टी एक ही स्थान पर रहेगी और हर बीमारी का इलाज यही पर होगा। कहीं भी किसी को जाने की जरूरत नहीं होगी। 55 वर्षों में मध्यप्रदेश को सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली थी, लेकिन हमारी सरकार ने 20 वर्षों में कुल 12 मेडिकल कॉलेज की सौगात प्रदेश को दी है। भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को लगातार साकार करने में जुटी हुई है।

रैंप पर चले जनता का अभिवादन किया स्वीकार

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने जनता के अभिवादन को स्वीकार करने के लिए मंच के समीप बनाए गए रैंप पर चले। जहां उन्होंने जनता पर पुष्प वर्षा की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर कार्यक्रम में शामिल लोगों ने भी उन पर पुष्प वर्षा की और उनका अभिनंदन करने का प्रयास किया।

इन्होंने भी किया कार्यक्रम को संबोधित

राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में अपनी योजनाओं और कार्यों में एक अलग ही पहचान बनाई है। जनसंघ के जमाने से उज्जैन में मेडिकल कॉलेज बनाने मांग थी। जिसका सपना डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री बनने के 1 वर्ष में ही पूर्ण कर दिया।

भारत सरकार की योजनाओं के साथ मिलकर काम करने का अलग ही उत्साह है : मुख्यमंत्री ... *कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन कुछ खास है। वैसे तो हम प्रत्येक दिन ही नई-नई योजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश की उत्तरोत्तर उन्नति करना चाहते हैं, लेकिन भारत सरकार की योजना के साथ मिलकर काम करना एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा देता है। मेडिसिटी की कल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की है, जिसे हम पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उज्जैन में मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता तब से है, जब मैं पैदा भी नहीं हुआ था, लेकिन मुझे आज मेडिसिटी एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमि पूजन करते हुए यह गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी सरकार ने जनता के इतने पुराने सपने को पूरा कर दिया।*

मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रहा है सिंचाई का रकबा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है, जो सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की करती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। सिंचाई की समुचित व्यवस्था हो जाने से अब किसान 2 फसलों के स्थान पर 3 फसल लेने लगे है। इससे उत्पादन में भी वृद्धि हुई है और किसान समृद्ध भी हो रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रदेश में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं में केन-बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांनदी जोड़ों राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुषंगिक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा कछार में बीना काम्पलेक्स, कोटा बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना सम्मिलित है। परियोजना से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं दमोह जिलों में माइक्रो इरिगेशन से केन कछार में 4.5 लाख हेक्टेयर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन, सागर, शिवपुरी एवं दतिया जिलों में 2.06 लाख हेक्टेयर तथा उत्तरप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के बांदा, महोबा और झांसी जिलों में 2.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के साथ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व सांसद 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' में हुए शामिल

संत ही समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक, सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहेः विष्णुदत्त शर्मा

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा श्री1008 बागेश्वर धाम महाराज जी की ''सनातन हिंदू एकता पदयात्रा'' में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा छतरपुर जिले के ग्राम बसारी में पदयात्रा में शामिल हुए और ग्राम कदारी तक पदयात्रियों के साथ चले। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने पदयात्रा के दौरान कहा कि सनातन हिंदू एकता पदयात्रा सामाजिक समरसता के साथ सनातन को ताकत देने का कार्य करेगी। हिंदू समाज के साधु-संतों ने हमेशा ही समाज को सही दिशा दिखाने व सनातन की रक्षा का कार्य किया है। संत ही समाज के सच्चे पथ प्रदर्शक हैं। संतों के आशीर्वचन से ही संस्कृति की जीवंतता बनी रहने के साथ सुसंस्कृत समाज की स्थापना हो सकती है।

संतों ने करोड़ों लोगों को आध्यात्मिकता से जोड़ने का कार्य किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि संत समाज ने करोड़ों लोगों को आध्यात्मिकता से जोड़ने का कार्य किया। ज्ञान की अविरल धारा बहाकर करोड़ों लोगों को आध्यात्मिक रूख की तरफ मोड़ने में साधु समाज की भूमिका अहम है। सच्चे संत जाति, धर्म, मत, पंथ, सम्प्रदाय आदि दायरों से परे होते हैं। ऐसे संतों का जहां भी अवतरण हुआ है वहां भारतीय संस्कृति के वैदिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार होकर समाज में व्यापक परिवर्तन हुए हैं।

समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी आज सेः राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी 22 नवंबर से शुरू की जा रही है। खरीदी 20 दिसम्बर तक की जायेगी। ज्वार मालदण्डी का 3421 रूपये, ज्वार हाईब्रिड का 3371 रूपये और बाजरा का समर्थन मूल्य 2625 रुपये है। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी। मंत्री राजपूत ने बताया है कि उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय पर उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचकर ज्वार और बाजरा की बिक्री करें।

भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में एनसीसी का महत्वपूर्ण योगदानः सिंह

भोपाल में मनाया गया एनसीसी का 76वां स्थापना दिवस

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एनसीसी संगठन स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों और युवाओं को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने का लगातार काम कर रहा है। एनसीसी ने विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, साम्प्रदायिक सौहार्द, समाज सेवा, अनुशासन के साथ देशभक्ति के संस्कार विकसित किये हैं। मंत्री सिंह आज भोपाल के शौर्य स्मारक में एनसीसी के 76वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता भी मौजूद थीं। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि देश में उच्च पदों पर अनेक विभूतियां हैं, जो देश निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। इन सबका संबंध अपने युवा काल में एनसीसी से रहा है।

प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के 132 के.व्ही. के तीन सब-स्टेशन होंगे ऑटोमेटिकः तोमर

पायलेट प्रोजेक्ट में भोपाल, इंदौर और जबलपुर के सब-स्टेशन शामिल

विजय मत, भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि एम.पी. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी 132 केव्ही क्षमता वाले पुराने सब स्टेशनों को ऑटोमेटिक बनाने की तैयारी कर रही है। पहले पायलेट प्रोजेक्ट में जबलपुर, इंदौर और भोपाल के एक-एक सब-स्टेशन को चुना गया है। पूरी तरह से इन सब स्टेशनों को स्वचलित बनाने का काम जल्दी ही पूरा होगा। इन सब स्टेशनों को नजदीक के किसी एक प्रमुख सब-स्टेशन से संचालित एवं नियंत्रित किया जा सकेगा। प्रयोग के तौर पर 3 पुराने सब-स्टेशनों को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लिया गया है, यदि सफलता मिली तो और भी पुराने सब-स्टेशनों को रिमोट से संचालित किया जा सकेगा। प्रदेश में दो जी.आई.एस. (गैस इंसूलेटेड स्विचगीयर) सब-स्टेशनों को पहले से ही ऑटोमेटिक संचालित किया जा रहा है। इनमें से एक महालक्ष्मी इंदौर में तथा दूसरा ई-8 अरेरा कालोनी भोपाल में क्रियाशील है।

वर्तमान में सब-स्टेशन का कार्य मैन्युअली होता है। सब-स्टेशनों के रिमोट आपरेशन से इनके संचालन और मानीटरिंग का कार्य सटीक होगा। इससे जहॉं मानव चूक के कारण होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सकेगी, वहीं तकनीक के उपयोग से विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता में बढ़ोत्तरी होगी। यह सब-स्टेशन पूरी तरह ऑटोमेटिक मोड पर संचालित होंगे। इन्हें ह्यूमन मशीन इंटरफेस तकनीक से नियंत्रित किया जायेगा। भोपाल के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन अयोध्या नगर, इंदौर के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन सत्य साईं एवं जबलपुर के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन माढ़ोताल को अत्याधुनिक तकनीक के रिमोट ऑपरेटेड सब-स्टेशन में परिवर्तित किया जा रहा है।

भोपाल में ड्रग कानून प्रवर्तन के लिए चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भोपाल। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के तत्वावधान में गुरूवार केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी, भोपाल में ड्रग कानून प्रवर्तन के लिए चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पूर्व डीजीपी और सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पूर्व सीबीआई निदेशक शुक्ला ने नार्को समन्वय केंद्र कार्यक्रम के तहत आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल युग में ड्रग तस्करी द्वारा उत्पन्न बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने के लिए कानून प्रवर्तन, नियामक निकायों और संबंधित संगठनों के प्रमुख हितधारकों को एकजुट करने में सम्मेलन की भूमिका पर प्रकाश डाला। अकादमी के निदेशक अनिल किशोर यादव, आईपीएस ने सम्मेलन की थीम, डार्क वेब, क्रिप्टो-करेंसी और मनी लॉन्ड्रिंग ड्रग तस्करी की चुनौतियों का त्रिकोण और व्यापक रोकथाम और पुनर्वास की आवश्यकता का परिचय दिया।

वॉश ऑन व्हील्स सेवाः सफाई की चाह और राह पर चलकर आत्मनिर्भर बने शैलेंद्र सिकरवार

विजय मत, भोपाल

मन चंगा तो कठौती में गंगा। शुचिता सिर्फ तन की ही नहीं, मनोविचारों की भी जरूरी है। स्वच्छता एक शैली नहीं, वरन् एक संस्कार है जो हमारे जीवन को और अधिक आलोकित करता है। कुछ ऐसी ही सोच और सेवा भाव से शैलेन्द्र सिकरवार ने काम और दाम के साथ नाम भी कमाया हैं।

कहानी छिंदवाड़ा जिले की है। यहां के जुन्नारदेव में ÷स्वच्छता साथी÷ (वाश ऑन व्हील्स सेवा) ने स्वच्छता और रोजगार के क्षेत्र में नई राहें खोली हैं। इस सेवा का शुभारंभ गत 26 सितंबर 2024 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य शौचालयों की सफाई के लिए एक संगठित और स्वच्छ दृष्टिकोण स्थापित करना और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

जिले के जुन्नारदेव ब्लॉक के निवासी शैलेंद्र सिकरवार (33 वर्ष) ने ÷स्वच्छता साथी÷ पहल के तहत अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा में बदला। जिले के वरिष्ठ और जुन्नारदेव ब्लॉक के अधिकारियों के मार्गदर्शन में शैलेंद्र ने पंचायतों में शौचालयों की सफाई का काम आरंभ किया। इस पहल में पंचायत समन्वयक अधिकारियों और क्लस्टर प्रभारियों का उन्हें भरपूर सहयोग मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। अब से 2 महीने पहले तक शैलेंद्र बेरोजगार थे। वे पहले दीपावली के समय उधार लेकर पटाखों की दुकान लगाते थे।

खास-खबर **खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग की अध्यक्षता में हुई तैयारियों संबंधी बैठक**

संविधान दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने पर निकलेगी संविधान दिवस पद-यात्रा

विजय मत, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अध्यक्षता में गुरूवार मंत्रालय में 26 नवंबर को संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान दिवस पदयात्रा की तैयारियों संबंधी बैठक हुई। मंलगवार 26 नवंबर को राजधानी भोपाल में संविधान दिवस पद-यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 2000 से अधिक युवाओं के शामिल होने की उम्मीद है।

मंत्री सारंग ने बताया कि संविधान दिवस पद-यात्रा शौर्य स्मारक से शुरू होकर बोर्ड ऑफिस चौराहा स्थित संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा को नमन कर शौर्य स्मारक पर समापन होगी। उन्होंने पद-यात्रा के आयोजन के संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। यात्रा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के समन्वय में होगी। इसमें नेहरू युवा केन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा के युवा शामिल होंगे। पद-यात्रा में खेल एवं युवा कल्याण के खिलाड़ी और आदिम जाति कल्याण विभाग के संबंधित छात्रावासों के विद्यार्थी भी सम्मिलित होंगे।

मंत्री सारंग ने बताया कि संविधान दिवस पद-यात्रा मंगलवार 26 नवंबर को पूर्वाहन में आयोजित होगी। इसमें स्कूली और कॉलेज के बच्चे भी शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने आयोजन स्थल एवं रूट के आसपास आवश्यक साफ-सफाई आदि की व्यवस्था के लिये संबंधित को निर्देश दिये। इसी प्रकार उन्होंने ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिये भी संबंधित को कहा। पद-यात्रा के दौरान पुलिस बैण्ड की व्यवस्था के भी निर्देश दिये गये। साथ ही पद-यात्रा के रूट पर आवश्यक पुलिस तैनाती और आयोजन स्थल पर पार्किंग की व्यवस्था करने को भी कहा गया।

युवाओं को संविधान के प्रति जागरूकता का संदेश

मंत्री सारंग ने कहा कि पद-यात्रा पूर्ण अनुशासन में और व्यवस्थित निकाली जाये। पद-यात्रा में हजारों लोग आये और बाबा साहेब के संविधान संबंधी स्लोगन और युवाओं को संविधान के प्रति जागरूक करने वाले संदेश दें। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, संचालक रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एल. यादव, जिला प्रशासन और पुलिस सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कल होगी किशोर न्याय समिति की समीक्षा बैठक

भोपाल। प्रदेश में बाल संरक्षण बाल अधिकार एवं बाल सुरक्षा के लिए लागू विभिन्न अधिनियम /नियमों एवं बालकों को प्रदाय की जा रही विभिन्न सेवाओं के क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन के लिए तीन सदस्यीय किशोर न्याय समिति का गठन किया गया है। शनिवार 23 नवम्बर 2024 को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आनन्द पाठक की अध्यक्षता में किशोर न्याय समिति की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश में बाल संरक्षण के लिए तैयार वर्ष 2023-27 की वार्षिक कार्य योजना पर चर्चा की जाएगी। बैठक में किशोर न्याय समिति के सदस्य एवं उच्च न्यायालय ग्वालियर एवं जबलपुर के न्यायाधीश जी एस अहलूवालिया तथा अनुराधा शुक्ला के अतिरिक्त बाल संरक्षण के मुद्दों पर कार्य करने वाली शासन के विभिन्न विभागों तथा महिला एवं बाल विकास, गृह, स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय, श्रम, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति ,पंचायत ग्रामीण विकास सहित 16 विभागों के प्रमुख सचिव तथा जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने भी उपस्थित रहेंगे।

भोपाल को झुग्गी मुक्त बनाने कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम की रूपरेखा तैयार

विजय मत, भोपाल

शहर को झुग्गी मुक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए गुरूवार को कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्लम रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के तहत नागरिकों को पक्के मकान उपलब्ध कराने एवं राजधानी भोपाल को झुग्गी मुक्त कर आगामी भविष्य में भोपाल को सुव्यवस्थित करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। नगर निगम भोपाल ने शहर की झुग्गियों का चिन्हांकन करने और सर्वेक्षण कार्य के लिए जिले को 9 कलस्टरों में विभाजित करने की योजना बनाई है। प्रथम चरण में वल्लभ भवन के आसपास की झुग्गियों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। अन्य क्लस्टरों में सर्वेक्षण कार्य जारी है। कलेक्टर सिंह ने सर्वेक्षण कार्य में सोशल प्रोफाईलिंग भी करने के निर्देश दिए हैं ताकि संबंधित व्यक्ति को घर के साथ उनकी आजीविका भी चलती रहे। इन झुग्गियों के निवासियों को पीपीपी मॉडल के तहत पक्के मकान प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही सुराज अभियान और रिडेंसीफिकेशन नीति के तहत आवासीय परियोजनाओं में मॉल, कमर्शियल कॉम्पलेक्स और प्राइम डेवलपमेंट कार्य भी किए जाएंगे। इसके साथ ही पार्किंग स्पेस, कम्युनिटी हॉल, दुकान भी डेव्लप किए जाएंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में निर्माण कार्य की कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है प्रारंभिक तौर पर लगभग 17-18 एकड़ में निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जिसके लिए एक सप्ताह के अंदर डीपीआर डिजाइन, प्लानिंग पॉलिसी, एस्टीमेट और टेंडर की शर्ते एवं सभी तैयारियां एक सप्ताह के भीतर पूरी की जाएंगी। झुग्गियों के चिन्हांकन और सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दिया गया है।

कनाडा को हराकर जर्मनी डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

मैलागा, एजेंसी

जर्मनी की डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। जर्मनी ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीतकर कनाडा को 2-0 से हराया। इसके साथ ही जर्मनी की टीम डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। जर्मनी के अल्टमायर ने इस मैच में गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में स्ट्रफ ने डेनिस शापोवालोव पर 4-6 7-5 7-6(5) से जीत दर्ज की।

स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि हम जीत के अधिकारी थे। मैं जीत से उत्साहित हूं हालांकि विरोधी खिलाड़ी डेनिस भी काफी अच्छे से खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में जबरदस्त सर्विस की जिससे हमारे लिए वापसी करना मुश्किल हुआ। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए।

टेनिस

शेंजन में चीन मास्टर्स टेनिस में रिटर्न शॉट लगाती हुई डेनमार्म की मिया ब्लिस फीट।

शमी को आईपीएल में इसलिए नहीं मिलेगी अधिक कीमत : मांजरेकर

मुम्बई, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाले नीलामी में अधिक कीमत नहीं मिल पायेगी। मांजरेकर के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी उनकी फिटनेस को लेकर चिंतित होगी क्योंकि वह साल तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं। हालांकि शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी एक महत्वपूर्ण कदम है। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान वह शानदार फॉर्म में थे। वह 7 मैचों में 10.70 की औसत से 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में आया, जहां उन्होंने 57 रन देकर 7 विकेट लिए।

मांजरेकर ने कहा कि निश्चित रूप से कई टीमों की उनमें रुचि होगी। लेकिन अगर आप शमी की हाल की चोट को देखेंगे तो आप पाएंगे कि उन्हें उबरने के लिए काफी समय लगा है। हर टीम को सीजन के दौरान संभावित ब्रेकडाउन के बारे में हमेशा चिंता रहेगी। यदि कोई फ्रेंचाइजी भारी निवेश करती है और फिर उसे बीच में ही खो देती है तो उसके विकल्प सीमित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण उनकी कीमत में गिरावट हो सकती है।

मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण बीबीएल के शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहेंगे

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) के शुरुआती मैचों से बाहर हो गये हैं। मैक्सवेल के स्कैन में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में ग्रेड टू टियर का पता चला है। मैक्सवेल को पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। इसके बाद से ही वह दर्द से परेशान थे। इस चोट के कारण फरवरी 2025 में श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट टीम में वापसी की उनकी संभावनाओं को भी झटका लगा है। उन्होंने अंतिम बार 2017 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, अब वह बीबीएल सत्र की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड मैच भी नहीं खेल पायेंगे। क्रिकेट विक्टोरिया ने कहा है कि चोट के कारण मैक्सवेल कम से कम चार सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पर्थ, एजेंसी

भारतीय टीम शुक्रवार को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान कर रहे जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली करार हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। पिछले कुछ समय में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है उससे भी टीम पर दबाव रहेगा। इस मैचम में नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं खेल रहे है। रोहित हाल ही में दूसरी बार पिता बने हैं, ऐसे में वह अपने परिवार के साथ है। इन हालातों में पारी की शुरुआत कर रहे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को अच्छी शुरुआत करनी होगी।

इस सीरीज में विराट , आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अहम रहेगा क्योंकि ये अपने कैरियर के अंतिम दौर पर हैं। ऐसे में पांच मैचों की सीरीजउनके भावी करियर की दशा और दिशा तय करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम का पदर्शन तय करेगा कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है कि नहीं। भारतीय टीम को इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। वहीं भारतीय टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया है। बुमराह ने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। न्यूजीलैंड सीरीज से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे परिणाम अलग रहे हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह

भारत-जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया-पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

पाकिस्तान के नये कोच अकीब ने बाबर को निशाना बनाने से इंकार किया

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये अंतरिम कोच आकिब जावेद ने कहा है कि बाबर आजम को निशाना बनाने के जो आरोप उनपर लगते रहे हैं। वह सही नहीं हैं। अकीब टीम के मुख्य चयनकर्ता भी है उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य पाकिस्तान क्रिकेट की भलाई रहता है। साथ ही कहा कि बाबर ने ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से बल्लेबाजी की वह सभी ने देखा। हम किसी को निशाना नहीं बना रहे हैं। हम जानते हैं कि बाबर, मोहम्मद रिजवान, फखर जमां काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और इन सभी ने अतीत में अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी हम चैंपियंस ट्रॉफी और एकदिवसीय टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि हमें जल्द ही अपनी एकदिवसीय टीम तय करनी है। उन्होंने यह भी कहा कि चयनकर्ता अब कई युवा और नए खिलाड़ियों को अवसर दे रहे हैं क्योंकि खिलाड़ियों के बड़े पूल से अधिक विकल्प मिलते हैं। गौरतब है कि बाबर का पिछले कुछ समय से क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया में हाल में खेली गई 3 मैचों की टी20 सीरीज में वह असफल रहे जिससे पाकिस्तान सभी मैच हार गयी। वह तीन मैचों में केवल 47 रन ही बना पाये। इसी के बाद से ही पाक के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा था कि बाबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद इस प्रारुप में शायद ही आगे अवसर मिले। वहीं अंतरिम मुख्य कोच बनने के बाद आकिब ने भी बाबर के प्रदर्शन की आलोचना की थी। बासित ने यहां तक कहा था कि आकिब के मुख्य कोच रहते यह बाबर आजम के लिए शायद अंतिम टी20 मैच है। आकिब का मानना है कि टीम की सफलता में कोच की भूमिका को अहम बताया जाता है पर ऐसा नहीं है। कोच सलाह दे सकता है पर मैदान में उसपर अमल कर परिणम देने का काम खिलाड़ियों का ही है। उन्होंने कहा , 'मैं पिछले 20 साल से कोचिंग दे रहा हूं और मैंने देखा कि एक कोच केवल कुछ हद तक अच्छा माहौल तैयार करता है कि किस तरह का क्रिकेट खेला जाए इसे लेकर स्पष्ट संदेश देने और तैयारियों में खिलाड़ियों की मदद ही कर सकता है पर अंत में खेलना तो खिलाड़ियों को ही है।

बिजनेस

देश में आर्थिक गतिविधियों में देखी जा रही सुस्तीः आरबीआई बुलेटिन

निजी खपत में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखाई दे रही है

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में देखी जा रही आर्थिक सुस्ती की बारीकीयों पर रोशनी डालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुलेटिन में सूचना दी है। नवंबर माह का बुलेटिन प्रकाशित होने के साथ आरबीआई ने बताया कि निजी खपत में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखाई दे रही है। जानकारों के मुताबिक मध्यम अवधि का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है क्योंकि वृहद आर्थिक बुनियाद की स्वाभाविक ताकत खुद को सुदृढ़ कर रही है।

इस बुलेटिन में उच्चाधिकारियों ने भारत की रोजगार सृजन क्षमता की मजबूत होने की भविष्यवाणी की है। आर्बीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार निजी निवेश कमजोर हो रहे हैं, हालांकि खरीफ और रबी फसलों में उत्तम उत्पादन के साथ कृषि क्षेत्र में उत्थान के संकेत हैं। व्यापारिक सेवा क्षेत्र में भी गतिशीलता बरकरार है और ईवी वाहनों के संचालन पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता के बावजूद, आरबीआई उम्मीद जताता है कि विश्वसनीय स्थितियों का अनुमान लगाना संभव है। नए स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के समृद्ध स्वरूप ने भी आर्थिक महसूस को चिंताजनक अवस्था से बाहर निकाला है। अधिकारियों का कहना है कि यह लेख उनके स्वयं के विचार हैं, और केंद्रीय बैंक का कोई संबंध नहीं है। गुरुवार को बाजारों की गतिविधियों का ध्यान खिंचने के लिए भविष्य का अनुमान गंभीरता से किया जा रहा है। इस अहम कुशलक्षेत्र में भारत के आर्थिक स्थिति की मजबूत दरारों में से एक है, जो आगे बढ़ने के लिए उत्तेजित करती है।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी भी चमकी

» सोने का भाव 76,200 रुपए, चांदी 90,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के बाजार में तेजी की रफ्तार जारी है। गुरुवार को सोने के वायदा भाव और चांदी के वायदा भाव दोनों ही तेजी के साथ खुले। सोने का वायदा भाव करीब 76,200 रुपये के आसपास और चांदी का वायदा भाव 90,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे है। वै?श्विक बाजारों में भी सोने और चांदी के वायदा में तेजी देखी जा रही हैं। कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव औंस के अनुसार 2,655.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रहा है, जिसमें कुछ वृद्धि देखने को मिल रही है। चांदी भी अपने उच्च स्तर पर कारोबार कर रही है, जिसमें 31.08 डॉलर प्रति औंस की तेजी नजर आ रही है। सोने और चांदी के वायदा भावों में वृद्धि की और यह उस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि यह तेजी जारी रह सकती है। सोने के वायदा भाव इस साल के सर्वोच्च स्तर को छूकर 79,775 रुपये के पास पहुंच गए थे, जबकि चांदी ने 1,00081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर किया था। सोने और चांदी के बाजार में इस तेजी के संकेत से निवेशकों को स्थिर रहकर संभावित मौके का सामना करना होगा। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी के वायदा में तेजी देखी जा रही है।

स्पैम कॉल के खिलाफ शिकायतों में अक्टूबर में आई कमीः ट्राई

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बताया गया कि अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों में अगस्त के मुकाबले 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के मुताबिक, अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों की संख्या 1.51 लाख रही है। सितंबर में यह आंकड़ा 1.63 लाख था। यह अगस्त के मुकाबले 13 प्रतिशत कम था।

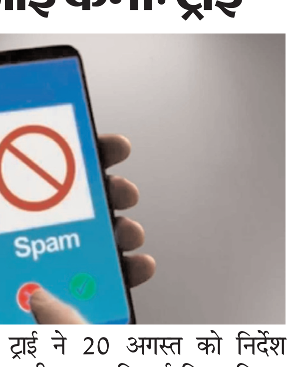

ट्राई ने 13 अगस्त को निर्देश देकर कहा था कि यदि कोई भी संस्था नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रमोशनल वॉयस कॉल करती पाई गई, तब उस कंपनी को सख्त दंड भुगतना होगा। इसमें सभी टेलीकॉम सर्विसेज का विच्छेदन, दो वर्ष तक के लिए ब्लैक लिस्ट में डालना और ब्लैक लिस्ट में डाले जाने की अवधि के दौरान नए संसाधनों के आवंटन पर प्रतिबंध शामिल है।

ट्राई ने 20 अगस्त को निर्देश जारी कर अनिवार्य किया कि 1 नवंबर से प्रेषकों/ प्रमुख संस्थाओं से प्राप्तकर्ताओं तक सभी मैसेज ट्रेसेबल हो। सभी टेलीकॉम कंपनियों ने इसके लिए तकनीकी सॉल्यूशंस को लागू किया है।

ट्राई ने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 13,000 से अधिक प्रमुख संस्थाओं (पीई) ने पहले ही संबंधित एक्सेस प्रोवाइडर्स के साथ अपनी चेन पंजीकृत कर ली हैं, जिससे आगे का पंजीकरण तीव्र गति से जारी है। एक्सेस प्रोवाइडर्स की ओर से उन सभी प्रमुख संस्थाओं और पंजीकृत टेलीमार्केटर (आरटीएम) को वार्निंग नोटिस भेज दिया गया है, जिन्होंने जरूरी बदलावों को लागू नहीं किया है।

सेंसेक्स 422 अंक गिरकर 77,155 पर बंद, निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 23 प्रतिशत फिसला

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 21 नवंबर को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 422 अंक की गिरावट के साथ 77,155 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 168 अंक की गिरावट रही, ये 23,349 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली है। आज FMCG और ऑटो शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 23.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ निफ्टी का टॉप लूजर रहा। वहीं IT शेयर्स में आज बढ़त रही।

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.85 प्रतिशत और कोरिया के कोस्पी में 0.06 प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.07 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

20 नवंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.32 प्रतिशत चढ़कर 43,408 पर और S&P 500 0.002 प्रतिशत बढ़कर 5,917 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.11 प्रतिशत गिरकर 18,966 पर बंद हुआ। NSE के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने 19 नवंबर को 3,411 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 2,783 करोड़ के शेयर खरीदे।

न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों डॉलर की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (करीब 2110 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने का वादा किया था। इस खबर के बाद अडाणी ग्रुप के 10 शेयरों में से 9 गिरावट देखने को मिली।

NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के IPO आज दूसरा दिन है। पहले दिन यानी 19 नवंबर को टोटल 0.36 गुना सब्सक्राइब हुआ है। रिटेल कैटेगरी में यह IPO 1.47 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 0 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 0.17 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के चलते 20 नवंबर शेयर बाजार बंद था, इसीलिए कल इस इश्यू के लिए बोली नहीं लगाई जा सकी थी। निवेशक इस पब्लिक इश्यू के लिए 22 नवंबर तक बिडिंग कर सकेंगे। 27 नवंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

नहीं थमेगा विकास का पहिया, 6.5-7 फीसदी की दर से बढ़ेगी जीडीपी

» कुछ क्षेत्रों में धीमी गति हो सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों से मांग बढ़ रही है

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 6.5-7 फीसदी की दर से बढ़ने के अपने अनुमान को दोहराया है। आर्थिक सर्वेक्षण में किए गए पूर्वानुमानों के आधार पर, सरकार का मानना है कि विकास में किसी महत्वपूर्ण गिरावट का जोखिम नहीं है। इसके बावजूद, आर्थिक विशेषज्ञ आगामी जीडीपी आंकड़ों और मांग के संकेतकों पर नजर बनाए हुए हैं। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने हाल ही में एक कार्यक्रम में यह कहा कि कुछ क्षेत्रों में धीमी गति हो सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों से मांग बढ़ रही है। उन्होंने भी उज्ज्वल ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और टिकाऊ सामानों की शहरी मांग में गिरावट को जिक्र किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें किसी बड़ी समस्या की संभावना नहीं नजर आती। इस समय पर सरकार के बयान आया है जब दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी होने वाले हैं। अजय सेठ ने मुद्रास्फीति पर चिंता को भी खारिज करते हुए कहा कि कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन यह अस्थायी है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति कोई गंभीर चिंता का विषय नहीं है।

यूज इन शॉर्ट

नवागत पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने किया पदभार ग्रहण

शहडोल।नवागत पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने गुरुवार को शहडोल पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है।पुलिस अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि वह 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।और सिवनी में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।भोपाल में डीसीपी जोन वन में एवं एटीएस में पुलिस अधीक्षक एवं भोपाल एसपी के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं सफलतापूर्वक दी है।एडिशनल एसपी के रूप में वे इंदौर,ग्वालियर,शाहजहांपुर,रीवा सतना,राजगढ़,खंडवा में भी पदस्थ रहे हैं।लगभग 16-17 जिलों में है डीएसपी,एडिशनल एसपी के रूप में कार्य कर चुके हैं।पुलिसिंग में आपका बहुत अच्छा अनुभव है। 2000 से 2004 तक सतना,रीवा में भी आप पदस्थ रहे हैं।इस सवाल के जवाब में कि आपकी प्राथमिकता क्या होगी पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता और मीडिया तय करेगी कि मुझे क्या करना है।वैसे जिले में भ्रमण करने के बाद और अधिकारियों से बातचीत करने के बाद तय किया जाएगा की क्या काम पहले किया जाए।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

शहडोल। कलेक्टर डॉ केदार सिंह की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए की राजस्व संबंधित लंबित प्रकरणों का निराकरण तेजी से किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, पीएम किसान सम्मान निधि, सीएम किसान सम्मान निधि के ई केवाईसी, राजस्व वसूली की कार्यवाही, साइबर तहसील में लंबित प्रकरण सहित अन्य राजस्व से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अरविंद शाह, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी नरेंद्र सिंह धुर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विज्ञानं मंथन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे विधि पाण्डेय का हुआ चयन

जयसिंहनगर । मध्य प्रदेश मे विज्ञानं मंथन 2024 प्रतियोगिता के राज्य स्तरीय स्तर के लिए भाजपा जयसिंहनगर मंडल अध्यक्ष राम नारायण पाण्डेय की पुत्री सुश्री विधि पाण्डेय का चयन हुआ है । सुश्री विधि पाण्डेय वर्तमान मे जवाहर नवोदय विद्यालय मऊ ब्योहारी मे कक्षा 06 मे अध्ययनरत है । विज्ञानं मंथन 2024 25 के लिए प्रदेश भर के विभिन्न विद्यालय के छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता के लिए नामांकन कर पात्रता हेतु परीक्षा मे भाग लिया था जिसमे कक्षा 6 वी से जवाहर नवोदय विद्यालय ब्योहारी से बिटिया ने चयनित होकर जयसिहनगर का नाम रौशन किया है । सुश्री विधि पाण्डेय हमेशा से पढ़ाई के प्रति बहुत सजग रही है चयन के पीछे जवाहर नवोदय विद्यालय ब्योहारी संस्था प्राचार्य शिक्षकों सहित सुश्री विधि पाण्डेय को हमेशा मार्गदर्शन देने वाले शिक्षक मुकेश दहिया का विशेष योगदान रहा है। जयसिंहनगर में नगर के प्रबुद्ध जनो ने सुश्री विधि पाण्डेय को उज्जवल भविष्य की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए चयन पर हर्ष व्यक्त किया है ।

शहडोल में रीजनल इन्वेस्टर्स कान्क्लेव की शुरू हो गई तैयारियां

आएंगे मुख्यमंत्री, शहडोल संभाग में खनिज एवं वन संपदा है प्रचुर मात्रा में, औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं

विजयमत,शहडोल।

देश और प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आदिवासी बाहुल्य शहडोल संभागीय मुख्यालय में जनवरी माह में प्रस्तावित रीजनल इन्वेस्टर्स कान्क्लेव के आयोजन की तैयारी शुरू हो गई है। इस विशाल आयोजन के लिए रीवा रोड में स्थित आईटीआई परिसर को फिलहाल चयनित किया गया है। सबसे अच्छी जगह तो बाणगंगा मेला मैदान था परंतु इस मेला मैदान में 14 जनवरी से पांच दिवसीय मकर संक्रांति मेला का भव्य आयोजन हर साल किया जाता है इसीलिए विकल्प के रूप में दूसरे स्थान की तलाश की गई है। शहडोल संभाग में खनिज संसाधन एवं वन संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है यहां मीथेन गैस भी है इसलिए औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं को देखते हुए छोटे बड़े उद्योगपति बड़ी संख्या में आ सकते हैं। शहडोल कलेक्टर डा. केदार सिंह इस आयोजन को सफल करने के लिए कई विभागों की बैठक ले चुके हैं इसके साथ ही पूरे उत्साह के साथ आयोजन को सफल बनाने के लिए कलेक्टर हर संभव कोशिश करने में जुटे हुए हैं।

खनिज एवं वन संपदा की भरमार

शहडोल संभाग में खनिज संपदा एवं वन संपदा भरपूर मात्रा में है इसलिए अनेक इंडस्ट्रीज यहां स्थापित हो सकती है। जहां तक कोयला का सवाल है अनूपपुर शहडोल एवं उमरिया जिले में सैकड़ों खदानें संचालित है जहां से लाखों टन कोयला प्रतिदिन उत्पादन होता है। इसी तरह बॉक्साइट एवं मीथेन गैस भी प्रचुर मात्रा में यहां उपलब्ध है इसके अलावा यदि वन उपज की बात करें तो आंवला तेंदूपत्ता बांस चिरौंजी हर्रा बहेड़ा, मुनगा एवं अन्य जड़ी बूटी के जंगल के जंगल यहां उपलब्ध है।

लैंड बैंक बनाया जा रहा

उद्योगपतियों को आकर्षित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लैंड बैंक बनाया जा रहा है ताकि मांग के अनुसार उद्योगपतियों को जमीन उपलब्ध कराया जा सके।। वैसे शहडोल जिले में रीवा रोडपर दियापीपर में 38 एकड़ लगभग जमीन को चिन्हित किया गया है जहां औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा इसी तरह अनूपपुर जिले में जलसार नामक स्थान पर 50 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की गई है उमरिया जिले में भी बड़े उद्योगों के लिए जमीन की तलाश की जा रही है।

कृषि आधारित उद्योग भी लगा सकते हैं

शहडोल संभाग में एग्रो वेस्ट इंडस्ट्रियल की भी संभावना व्यक्त की जा रही है क्योंकि यहां कृषि आधारित उद्योग लगाने की प्रबल संभावना देखी जा रही है यहां कोदों का रकवा काफी बढ़ गया है। इसके अलावा ब्यौहारी के पास ग्राम बुढ़वा में भारी मात्रा में केला का उत्पादन किया जा रहा है साथ ही पूरे संभाग में हल्दी एवं टमाटर का उत्पादन बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। हेरिटेज लीकर उद्योग भी स्थापित किए जा सकते हैं आदिवासी बाहुल्य इस शहडोल संभाग में महुआ के पेड़ लाखों की संख्या में है और बड़ी मात्रा में महुआ का उत्पादन होता है इसलिए हेरिटेज लीकर उद्योग स्थापित हो सकते हैं।

एयरपोर्ट शहडोल शहर की डिमांड नहीं : सुशील

वरिष्ठ समाजसेवी एवं निवेश संवर्धन समिति के सदस्य सुशील सिंघल का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि शहडोल में एयरपोर्ट स्थापना की मांग उठ रही है परंतु वास्तविकता में एयरपोर्ट इस शहर की डिमांड नहीं है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट की स्थापना में लगभग 1000 करोड़ रुपए खर्च होता है और इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बाद भी यदि शहडोल में एयरपोर्ट स्थापित हो जाए तो सिर्फ जबलपुर या भोपाल के लिए हवाई यात्रा की सुविधा मिल सकेगी जबकि किसी को यदि दिल्ली मुंबई चेन्नई अहमदाबाद जैसे महानगर की हवाई यात्रा करनी हो तो उसे इसकी सुविधा यहां से नहीं मिल सकेगी। श्री सिंघल का कहना है कि जबलपुर एयरपोर्ट के लिए कनेक्टिविटी की आवश्यकता है शहडोल से उमरिया की सड़क अच्छी बन जानी चाहिए इसी तरह जबलपुर के आसपास के जिलों से कनेक्टिविटी बेहतर होनी चाहिए ताकि जबलपुर एयरपोर्ट सफलतापूर्वक चलता रहे। यदि शहडोल में एयरपोर्ट शुरू हुआ तो सतना एवं बिलासपुर की तरह कुछ दिनों बाद बंद हो जाएगा क्योंकि सरकार के पास कोई एयरक्राफ्ट एजेंसी नहीं है और कोई भी एयरक्राफ्ट एजेंसी घाटे में हवाई सुविधा प्रधान नहीं करेगी। श्री सिंघल का यह भी कहना है कि 12 सीटर बस शहडोल कटनी नरसिंहपुर दमोह एवं सागर से जबलपुर के लिए संचालित होनी चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति जबलपुर एयरपोर्ट सही समय पर पहुंच सके।

सबसिडी दे कर छोटे उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दिया जाए : खनूजा

जिले के व्यवसाय से जुड़े के स्क्वायर के प्रोपराइटर बलमीत सिंह खनूजा का कहना है कि सरकार को सबसिडी देकर छोटे उद्योगपतियों को प्रोत्साहन देना चाहिए तथा जमीन आवंटन के साथ ही अन्य फॉर्मेलिटी पूरी करने में सहयोग प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोयले से संबंधित छोटे-छोटे पावर प्लांट भी स्थापित किया जा सकते हैं साथ ही मीथेन गैस जो फूलपुर यूपी भेजा जा रहा है उसका यही उपयोग कर मीथेन गैस से संबंधित उद्योग जिले में उद्योग स्थापित किया जा सकता है।

उद्योगपतियों के लिए खुले सिंगल विंडो

आमतौर पर देखा जाता है कि कोई भी व्यक्ति यदि नया व्यवसाय शुरू करता है या फिर उद्योग लगाना चाहता है तो उसे जमीन से लेकर अनेक फॉर्मेलिटी के लिए बहुत ज्यादा भटकना पड़ता है और कई कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं इसलिए सरकार को सिंगल विंडो कार्यालय की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि नए उद्योगपतियों को भटकना न पड़े।

युवाओं को जानकारी देने हेतु कार्यालय होः रस्तोगी

उद्योगपति प्रकाश रस्तोगी (गुड्डू)का कहना है कि इस जिले में युवा वर्ग काम करना चाहता है परंतु जानकारी के अभाव में उन्हें समझ में नहीं आता कि वह किस चीज का नया उद्योग लगाए । इसलिए जिला प्रशासन द्वारा एक ऐसे कार्यालय की स्थापना करनी चाहिए जिसमें युवा उद्यमी को उद्योगों से संबंधित पर्याप्त जानकारी मिल सके, मसलन किस उद्योग में कितनी सबसिडी मिलेगी और उसे क्या-क्या तैयारी करनी पड़ेगी क्योंकि युवा चाहता है कि उसे भटकना न पड़े और ईजी प्रोसेस से सभी जानकारी उसे उपलब्ध हो सके।

उद्योगपतियों को हर संभव सहयोग मिलेगाः कलेक्टर

कलेक्टर डा. केदार सिंह का कहना है कि रिजिनल इन्वेस्टर्स कांक्लेव की सभी तैयारियां की जा रही है और हमारा प्रयास होगा कि उद्योगपतियों को किसी तरह की असुविधा न हो और उद्योग लगाने से संबंधित हर प्रकार की सुविधा उन्हें प्रदान की जाए जिला प्रशासन द्वारा इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस आयोजन से शहडोल जिले का आर्थिक विकास होगा इसके साथ ही स्थानीय उद्योगपतियों और व्यवसाइयों की उन्नति होगी।

उद्योगपतियों की सूची हो रही तैयार : जीएम एमपी आईडीसी

मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के रीजनल महाप्रबंधक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि शासन द्वारा उनके इस विभाग को शहडोल में रीजनल इन्वेस्टर्स कांक्लेव की तैयारी के निर्देश दिए गए हैं जिसके तहत कमिश्नर एवं कलेक्टर के नेतृत्व में हमारा विभाग जहां एक ओर उद्योगपतियों की सूची तैयार कर रहा है।

वहीं दूसरी ओर इस आयोजन ने की सफलता के लिए यह प्रयास किया जा रहा है की स्थानीय व्यवसाईयों एवं उद्योग लगाने में रुचि रखने वाले व्यक्तियों को कैसे प्रोत्साहन दिया जाए। एमपीआईडीसी के महाप्रबंधक अजय श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि शहडोल संभाग में उपलब्ध खनिज एवं वन संपदा को फोकस करते हुए हम उद्योगपतियों को आमंत्रित करेंगे।

दिव्य मुस्कान महिला क्लब ने बस्ती में जाकर जरूरतमंदों को कंबल और कपड़े किये वितरित

विजयमत,शहडोल।

सामाजिक क्षेत्र की अग्रणी सामाजिक संस्था दिव्य मुस्कान महिला क्लब की संस्थापक अध्यक्ष एवं वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता के नेतृत्व में सदस्य महिलाओं के द्वारा समीपी ग्राम विचारपुर की बैगा बस्ती में निवासरत जरूरतमंद लोगों को कम्बल एवं कपड़े वितरित किये गये।इस शीत मौसम में क्लब का यह पहला और सफल प्रयास रहा जिसकी मुक्तकंठ से सभी ने प्रशंसा की स्मरणीय है कि संभागीय मुख्यालय से मात्र चार कि.मी.की दूरी पर स्थित इस विचारपुर ग्राम की पहचान मिनी ब्राजील के रुप में व्यख्यात है, स्वयं प्रधानमंत्री जी ने अपने शहडोल प्रवास पर विचारपुर को यह नाम तब दिया था जब इस पूरे गांव के युवाओं ने फुटबाल में अच्छी खासी शोहरत बटोरी थी।

क्लब की सदस्य बहनों ने जब सुना कि ठण्ड की शुरुआत में ही यहां के बच्चे और महिलायें शीत के प्रकोप से प्रभावित है तभी क्लब ने विचार किया और कैम्प लगाने की दृष्टी से विचारपुर का चयन किया

इस कार्य में क्लब की सम्मानित सदस्य संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता, संरक्षिका नीति सिंघल, उपाध्यक्ष छाया गुप्ता एवं सदस्य बहन पूजा गुप्ता रंजना गुप्ता, डॉली जैन, शशि गुप्ता, प्रीति अग्रवाल, भारती गुप्ता रत्ना गुप्ता एवं गांव की पांच रजनी बैग ,गीता तिवारी का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

सड़क बना अघोषित बस स्टैंड, हर घंटे लग रहा जाम, लोग हो रहे परेशान

शहडोल नगर के न्यू बस स्टैंड में गंतव्य को रवाना होने वाली बसों के सड़क पर खड़ी होने से आए दिन हर घंटे जाम की स्थिति निर्मित होती है। वाहन चालकों ने बताया कि सड़क पर बसों के ज्यादा समय तक खड़ी होने से आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए जरूरी है कि बसें गंतव्य को रवाना होने के दौरान बस स्टैंड के सामने सड़क पर खड़ी नहीं होनी चाहिए। इस बारे में यातायात विभाग का रवैया भी उदासीन बना हुआ है। कई बार तो बसों को बस स्टैंड के अंदर परिसर में खड़ी करने के बजाय सड़क पर ही खड़ी कर आगे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है। इस दौरान बसें दस से 15 मिनट तक सड़क पर खड़ी रहती है।

यातायात पुलिस इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान देने के बजाय आंखें मूंदे बैठी है। यह सभी जानते हैं कि बिना पुलिस की सहमति के ये बसें सड़क पर खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन पुलिस भी बस मालिकों के इस अवैध कब्जे पर कार्रवाई करने में नाकाम है। आज हालत यह है कि बस स्टैंड से लेकर लल्लू सिंह चौक तक, पेट्रोल पंप के पास तक सड़क के दोनों ओर बसों का कब्जा है। बसों का यहां खड़ा रहना मानो एक खुला सवाल है क्या यह सड़क जनता के लिए है या बस मालिकों के लिए यह लोगों को समझ में नहीं आ रहा है।

लोक गायिका शीला त्रिपाठी शहडोल में आज लोकोत्सव में देगी प्रस्तुति

शहडोल। मध्य प्रदेश शासन संस्कृत विभाग और जिला प्रशासन शहडोल के संयुक्त तत्वाधान में 22 नवंबर 2024 को स्वयं 7ः00 बजे से लोकोत्सव पारम्परिक कलाओं का उत्सव का आयोजन पॉलिटेक्निक ग्राउंड शहडोल में किया जा रहा है।इसी कड़ी में प्रदेश की सुप्रसिद्ध लोक गायिका एवं श आकाशवाणी भोपाल की पहली ए ग्रेड लोक गायिका कलाकार श्रीमती शीला त्रिपाठी एवं साथियों भोपाल द्वारा मनमोहन बघेली लोकगीत की प्रस्तुति दी जाएगी, यहां उल्लेखित है कि श्रीमती शीला त्रिपाठी शहडोल की ही बेटी है और वह शहडोल की सुप्रसिद्ध समाजसेवी तथा संगीतज्ञ पंडित मुनींद्र कुमार मिश्रा की सुपुत्री हैं।

अवैध शराब जब्त

शहडोल।अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने ग्राम रिमार में दबिश देकर आरोपिया विजय कहार की पत्नी उम्र 35 वर्ष निवासी रिमार के कब्जे से 05 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कुल कीमती 500 रूपये मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपिया के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मुखबिर सूचना पर पुलिस ने ग्राम पकरिया में दबिश देकर आरोपी सुगम झारिया पिता सोधेलाल उम्र 22 वर्ष निवासी पकरिहा के कब्जे से 13 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कुल कीमती 1,950 रूपये मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

धनपुरी पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत की 03 कार्यवाही

शहडोल मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत 03 स्थानों पर कुछ व्यक्ति तास के पत्तों से हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपी मो0 ताहिर पिता मो0 उमर उम्र 27 वर्ष निवासी धनपुरी अन्य 01 व्यक्ति के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 650 रूपये, आरोपी मो0 तालिब पिता मो0 रमजान उम्र 24 वर्ष निवासी धनपुरी अन्य 01 व्यक्ति के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 1,210 रूपये एवं आरोपी मुकेश वैगा पिता विश्वनाथ बैगा उम्र 27 वर्ष निवासी सरकारी टोला धनपुरी अन्य 01 नफर के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 250 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

60 चालानों में 22,000/- रूपये समंस शुल्क वसूले

शहडोल।जिला पुलिस द्वारा बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालाने वाले, बिना सीट बेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वाले चालकों एवं अन्य के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 60 चालानों में 22,000/- रूपये समंस शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संबंधितों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाई पूर्वक निर्देशित किया गया।

अंधेरगर्दी — फर्जी मास्टर रोल भरकर गलत लोगों को भुगतान होता हैं राशि, रोजगार सहायक की मनमानी ग्रामीणों को हो रही परेशानी

ग्राम पंचायत छकता में चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

विजयमत,शहडोल।

जिले की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों में मनमाने तरीके से अनियमितता और अनुपयोगी कार्य कराके जहां सरकारी बजट को चूना लगाया जा रहा है, वहीं पंचायत प्रतिनिधि हर काम में कमाई के चक्कर में कायदे कानून ताक पर रखकर कायदे कानून के पालन से बेपरवाह हैं। उन्हें न जांच की चिंता है, न अधिकारियों का डर है। हम बात कर रहे हैं जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत छकता के रोजगार सहायक प्रतिभा गुप्ता की। जिन्होंने ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार के नए आयाम स्थापित किए हैं तथा बेलगाम राज चल रहा है। रोजगार सहायक द्वारा वर्ष 2022 में ऐसे तमाम काम कराए गए, जिनमें कमाई का रास्ता नजर आया। यहां तक कि कई अनुपयोगी काम भी करा दिए गए हैं, ऐसे तमाम निर्माण कार्य कराके जिम्मेदारों ने अपना हिस्सा तो ले लिया पर ये निर्माण कार्य अनुपयोगी पड़े-पड़े बर्बादी की कगार पर हैं। मनरेगा के काम मशीनों से कराके फर्जी मस्टर भरे जा रहे गए, शिकायतों को अनदेखा करके जिम्मेदार मौन बने हैं। इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।

रोजगार सहायक ने खेला फर्जी मास्टर रोल का खेल

ग्राम पंचायत छकता की ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार सहायक प्रतिभा गुप्ता द्वारा मनरेगा के कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है। उन्होंने मनरेगा के कार्यों में भ्रष्टाचार का खेल खेला है तथा फर्जी लोगों का मास्टर रोल में नाम जोड़कर उन्हें शासन के राशि का लाभ दिलाया है तथा उनका कमीशन खुद खाया है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति कभी काम नहीं किया उनके खाते में पैसे हस्तानांतरित किए गए तथा जो लोगों ने कार्य किया है तथा मजदूरी किया है उनके खाते में आज तक उनकी मेहनत की राशि नहीं आई।

रोजगार सहायक ने फर्जी मास्टर रोल में इनको दिलाया लाभ

ग्रामीणों ने रोजगार सहायक प्रतिभा गुप्ता के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया कि उनके द्वारा ग्रामीण ममता सेन एवं उनके पति शिवव कुमार सेन को अनेक बार मनरेगा के अंतर्गत फर्जी मास्टर रोल भरकर लगभग 20000 का लाभ दिलाया है। इसी प्रकार उनके साठ गांठ के कारण मनरेगा योजना में व्यापक गड़बड़ी करते हुए अपने चाहेतो को लाभ दिलाया गया है। जिसकी शिकायत हमने जनपद पंचायत कार्यालय जयसिंहनगर में किया था परंतु आज तक उसे पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

सप्ताह में एक से दो दिन आती है ग्राम पंचायत कार्यालय

ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार सहायक से हम सभी ग्रामीण अत्यंत परेशान हैं। रोजगार सहायक ग्राम पंचायत छकता से लगभग 32 किलोमीटर दूर अपने परिवार के साथ रहती हैं तथा सप्ताह में एक या दो दिन ग्राम पंचायत कार्यालय दर्शन देने आती हैं। जिससे हमारे अनेक कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा अगर कोई विकास कार्य के संबंध में चर्चा करना हो तो वह ग्राम पंचायत में बैठती नहीं है तथा किसी का फोन भी नहीं उठाती हैं। इससे भी वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया परंतु वरिष्ठ अधिकारी हमारी बात सुन तो लेते हैं पर इसकी सुध नहीं लेते हैं।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत छकता रोजगार सहायक प्रतिभा गुप्ता की पदस्थ होने के बाद भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है। यहां अनेक शासन की योजनाओं में एवं विकास कार्यों में उदासीनता बरती जा रही है इसकी जांच होनी चाहिए- **ओम प्रकाश यादव ग्रामीण**

रोजगार सहायक की उदासीनता एवं लापरवाही ग्राम पंचायत छकता के ग्रामीणों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा रही है। मास्टर रोल में फर्जी नाम भरकर मनरेगा के कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, रोजगार सहायक का जांच आवश्यक है- **दिलीप सिंह ग्रामीण**

मैं इसकी जांच करवाता है, अगर ऐसा है तो बिल्कुल कार्यवाही की जाएगी।
अशोक मरावी जनपद सीईओ जयसिंहनगर।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com